RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 29 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री

गुरुवार 31 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रातः 05:38 बजे
सूर्यास्त सांय 19:18 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 मनसा देवी हादसा: मौतों का जिम्मेवार कौन एक यक्ष प्रश्न?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक: 286 | गाजियाबाद, गुरुवार 31 जुलाई 2025 | मूल्य: ₹ 2 | पेज: 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

पावर गेम में न उलझें, बच्चों की चिंता करें

● केरल के सियासी झगड़े में सीएम और गवर्नर को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के गवर्नर और पी विजयन सरकार से दो टूक लहजे में कहा है कि राज्य सरकार के दो शीर्ष नेतृत्व सियासी रस्साकशी और पावर गेम में न उलझें बल्कि छात्रों की चिंता को ध्यान में रखते हुए दो विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपति की नियुक्ति के लिए सौहार्द्रपूर्ण दिशा में समाधान निकालें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि किसी भी सूरत में छात्रों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और केरल डिजिटल विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कुलपतियों की नियुक्ति पर उपजे विवाद की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल से भी सहयोग की अपेक्षा करता है। कोर्ट ने कहा कि गवर्नर राज्य सरकार की

सिफारिशों पर विचार करें और मिल बैठकर समाधान निकालें। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ केरल के गवर्नर द्वारा एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में दायर एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में गवर्नर ने केरल हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें राज्य सरकार की सिफारिश के बिना विश्वविद्यालय के अस्थायी कुलपति की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार और राज्यपाल, दोनों से एक-दूसरे के साथ सहयोग करने और जिद छोड़ने का आह्वान किया। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि यहां सवाल यह नहीं है कि कौन पक्ष अपने पॉलिटिकल पॉवर का बेहतर इस्तेमाल करेगा बल्कि यह बच्चों के भविष्य का मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, शीर्ष अदालत ने दोनों को संयम बरतने की सलाह दी।

लोकसभा में आशा कर्मियों के वेतन का मुद्दा उठा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। लोकसभा में बुधवार को आशा कर्मियों की हालत पर चिंता जताते हुए उनको निश्चित मासिक वेतन देने की मांग की गई। शिवसेना ने के रविन्द्र दत्ताराम वायकर ने शून्यकाल के दौरान देशभर के आशा कर्मियों को मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस देश में करीब 10 लाख आशा वर्कर हैं जिनकी स्थित अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस साल राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू हुए आशा कार्यक्रम के बीस साल हो गए। उन्होंने कहा कि 20 साल की निःस्वार्थ सेवा के बाद भी आशा वर्कर सबसे अधिक शोषित और उपेक्षित हैं। उन्होंने कहा कि आशा कर्मियों का कोई निर्धारित वेतन नहीं है और कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं है। इसके अलावा भविष्य के लिए कोई आर्थिक गारंटी भी नहीं है। उन्होंने पूरे देश में आशा वर्करों को निर्धारित वेतन तय करने और देशभर एक समान लागू करने की मांग की।

प्रियंका ने सदन में उठाया वायनाड के आपदा पीड़ितों को राहत का मुद्दा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केरल के वायनाड से सांसद और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने लोकसभा में वायनाड में पिछले साल आई भीषण प्राकृतिक आपदा का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि राहत के रूप में दी गई ऋण राशि को माफ किया जाए, ताकि प्रभावित लोग अपने जीवन को दोबारा शुरू कर सकें। प्रियंका गांधी ने शून्यकाल के दौरान कहा कि वायनाड में एक साल पहले भयंकर भूस्खलन हुआ था, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई और 17 परिवार पूरी तरह तबाह हो गए। इस आपदा में 1600 इमारतें ध्वश्त हो गईं और सैकड़ों एकड़ जमीन पर खड़ी फसलें नष्ट हो गईं। इसका सीधा असर किसानों, व्यापारियों और आम जनता की आजीविका पर पड़ा। कांग्रेस सांसद ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि आपदा राहत के लिए अब तक जो फंड जारी किया गया है, वह न सिर्फ अपर्याप्त है, बल्कि उसे ऋण के रूप में दिया गया, जो पूरी तरह से असंवेदनशील और अभूतपूर्व है।

आपका आचरण विश्वसनीय नहीं है, आप पेश ही क्यों हुए

● सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा से पूछ लिए तीखे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने नकदी बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करार देने का अनुरोध करने वाले जस्टिस यशवंत वर्मा के आचरण को विश्वसनीय न बताते हुए बुधवार को उनसे तीखे सवाल पूछे। जस्टिस समिति की रिपोर्ट में न्यायमूर्ति वर्मा को कदाचार का दोषी पाया गया था। शीर्ष अदालत ने जस्टिस वर्मा से पूछा कि वह आंतरिक जांच समिति के समक्ष क्यों पेश हुए और उसे वहीं चुनौती क्यों नहीं दी। अदालत ने जस्टिस वर्मा से कहा कि उन्हें समिति की रिपोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहले आना चाहिए था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की

पीठ ने कहा कि अगर भारत के प्रधान न्यायाधीश के सामने यह मानने के लिए कोई दस्तावेज है कि किसी न्यायाधीश ने कदाचार किया है तो वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सूचित कर सकते हैं। पीठ ने कहा,आगे बढ़ना या नहीं बढ़ना, राजनीतिक निर्णय से तय होगा। लेकिन न्याय पालिका को समाज को यह संदेश देना है कि प्रक्रिया का पालन किया गया है। जस्टिस वर्मा की ओर से वकील सिब्बल ने कहा कि उन्हें हटाने की आंतरिक जांच समिति की सिफारिश असंवैधानिक है। सिब्बल ने अदालत से कहा कि इस तरह की कार्यवाही की सिफारिश करने से खतरनाक मिसाल कायम होगी।

लालू यादव को फिर से लगा 'सुप्रीम' झटका

● लैंड फॉर जॉब केस में कार्यवाही पर रोक से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौकरी के बदले जमीन देने (लैंड फॉर जॉब) के मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को फिर झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने लालू की ओर से निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया गया है। शीर्ष अदालत ने लालू की ओर से दायर याचिका का बुधवार को निपटारा कर दिया और कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट में इस संबंध में याचिका लंबित है। रिपोर्ट के अनुसार बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की ओर से अधिवक्ता

मुदित गुप्ता के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर की गई थी। इसमें ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही को 12 अगस्त तक स्थगित करने की मांग की गई थी। जस्टिस एमएम सुंदरेश एवं जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इस पर सख्त टिप्पणी की।

बिहारी जी कॉरिडोर: सुप्रीम कोर्ट की गोस्वामी वकीलों को कड़ी फटकार – 'चालबाजियाँ अब बंद करो!'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने आज बांके बिहारी मंदिर से जुड़े विवाद में गोस्वामी परिवार की ओर से पेश वकीलों को सख्त

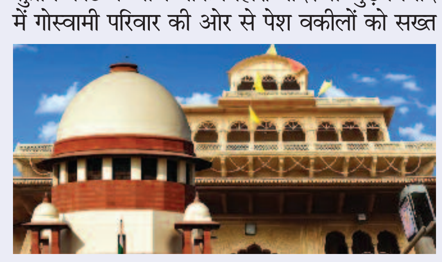

लहजे में फटकार लगाई। माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि अदालत के समक्ष 'बार-बार एक ही मुद्दा उठाना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

गोस्वामी पक्ष के वकील ने मामले को फिर से उठाने की कोशिश की, जिस पर पीठ ने तीखी प्रतिक्रिया दी: "कल ही आपने यही मामला न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ के समक्ष रखा था।

अब इसे दोबारा उठाकर कोर्ट के साथ खेल खेलने की कोशिश मत कीजिए। ये गेम्स बंद करो।" पीठ ने चेतावनी दी कि अगर इस तरह की हरकत दोहराई गई और मामला जानबूझकर किसी अन्य पीठ के समक्ष पेश किया गया, तो वकीलों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के. एम नटराज और नवीन पाहवा ने अदालत को सूचित किया कि गोस्वामी पक्ष पहले ही मुख्य न्यायाधीश के समक्ष सभी संबंधित मामलों को एक पीठ से दूसरी पीठ में स्थानांतरित करने की मांग कर चुका है, जबकि वे पहले से ही न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध हैं। कोर्ट की सख्त टिप्पणी से गोस्वामी पक्ष के वकील स्पष्ट रूप से असहज दिखे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह ऐसी 'प्रक्रियात्मक हेरफेर' को कदापि सहन नहीं करेगी और भविष्य में इस तरह का प्रयास करने पर गंभीर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला वृंदावन स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर से संबंधित है, जहां गोस्वामी परिवार और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच अधिकार व प्रबंधन को लेकर वर्षों से विवाद चला आ रहा है। सबको पता है कि आम जनमानस की इच्छा है कि कॉरिडोर बनने से दर्शन आदि में काफी सहूलियत मिलेगी। उधर कारीडोर बनने से प्रभावित पक्ष भी अंदर खाने चाहता है कि उसे उचित मुआवजा और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था हो।

तेज भूकंप के झटकों से कांप उठा रूस

● 5 मीटर ऊंची सुनामी उठीं, 8.8 रही तीव्रता ● यह दुनिया का छठा सबसे खतरनाक भूकंप

मास्को (एजेंसी)। रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया है। स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 8.8 थी। यह भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 4.54 बजे आया। रॉयटर्स के मुताबिक कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई है। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने वीडियो पोस्ट कर कहा कि आज का भूकंप दशकों में सबसे शक्तिशाली था। उन्होंने कहा कि एक किंडरगार्टन स्कूल को नुकसान पहुंचा है। जापान के टेलीविजन के मुताबिक, देश के पूर्वी तट

के पास एक फुट ऊंची पहली सुनामी लहरें पहुंची हैं। जापान ने राजधानी टोक्यो में 20 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। इसके अलावा अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली को करा लिया है। अमेरिका के अलास्का और हवाई द्वीप तक सुनामी की लहरें पहुंच गई हैं। अमेरिका ने हवाई राज्य के लिए जारी सुनामी चेतावनी को अब डाउनग्रेड कर एडवाइजरी में बदल दिया गया है। यह जानकारी नेशनल वेदर सर्विस ने दी। पैसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर के निदेशक चिप मैककरी ने कहा कि सबसे बुरा हिस्सा अब बीत चुका है। फिलहाल अमेरिका के नॉर्थ कैलीफोर्निया में सुनामी चेतावनी है।

रूस में डॉक्टरों ने भूकंप में भी नहीं रोकी सर्जरी

रूस के कमचटका प्रायद्वीप के तट से 125 किमी दक्षिण-पूर्व में शक्तिशाली भूकंप आया है। बुधवार को आए इस भूकंप की तीव्रता 8.8 होने की वजह से इमारतें किसी पेड़ की तरह लहराती दिखीं। भूकंप की गहराई सतह से 19.3 किलोमीटर थी। इससे जमीन पर तेज झटके महसूस किए गए और सुनामी आने की वजह बनी। भूकंप से ये झटके किसी को भी विचलित करने के लिए काफी थे लेकिन रूस के एक अस्पताल के डॉक्टरों ने इस दौरान कमाल की सहनशक्ति दिखाते हुए सफल सर्जरी को अंजाम दिया। रूस में जिस समय शक्तिशाली भूकंप आया, उसी दौरान कामचटका के एक अस्पताल में सर्जरी चल रही थी। कामचटका में सर्जरी कर रहे डॉक्टरों ने शक्तिशाली भूकंप के दौरान धैर्य बनाए रखा।

● ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

कान खोलकर सुन लें जयराम, मोदी-ट्रंप की नहीं हुई कोई बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर लोकसभा के बाद आज राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार का पक्ष रख रहे थे। इस दौरान वह विपक्ष के हर आरोपों का बारी-बारी से जवाब दे रहे थे। इस दौरान विपक्षी खेमे के सांसद लगातार हंगामा करते नजर आए। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और कांग्रेस सांसद जयराम रमेश विदेश मंत्री के भाषण के दौरान लगातार गतिरोध उत्पन्न कर रहे थे। विपक्षी सांसदों के आचरण से जयशंकर असहज हो गए और जयराम रमेश का नाम लेते हुए उन्हें खूब सुनाया।

जयशंकर ने अपने भाषण के बीच में जयराम रमेश को टोकते हुए कहा, 'जयराम रमेश कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से लेकर 16 जून तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन कॉल पर एक भी बार बातचीत नहीं हुई।' आपको बता दें कि विपक्ष खासकर कांग्रेस लगातार यह आरोप लगाती रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ। हालांकि सरकार लगातार इन आरोपों को झुठलाती आ रही है।

अगर पीएम ने बोल दिया, तो ट्रंप पूरी सच्चाई रख देगा

राहुल गांधी का मोदी पर फिर हमला, जमकर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को संसद भवन के बाहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-पाक मध्यस्थता संबंधी दावे को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वह ऐसा करेंगे तो ट्रंप सारी सच्चाई सामने रख देंगे।

उन्होंने संसद परिसर में संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सबको मालूम है कि क्या हुआ है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। सबको मालूम क्या हुआ है। बोल नहीं पा रहे हैं, यह वास्तविकता है। अगर प्रधानमंत्री ने बोल दिया, वह (ट्रंप) खुलकर बोल देगा और पूरी सच्चाई रख देगा। इसलिए (मोदी) नहीं बोल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अभी वह (ट्रंप) व्यापार समझौता चाहते हैं। वहां (ट्रंप) दबाव डालेंगे। आप देखना कि कैसा व्यापार समझौता होता है।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने संवददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने गोलमोल तरीके से बात की है।

श्री अग्रवाल युवा संगठन ने धूमधाम से मनाया श्रावनोत्सव कार्यक्रम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

श्री अग्रवाल युवा संगठन द्वारा तीज महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम जी.टी. रोड स्थित रघुनाथ पैलेस पर आयोजित किया गया । इस अवसर पर मीडिया प्रभारी व पूर्व अध्यक्ष सी ए विकास अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजय अग्रवाल मित्र मण्डल व राम कुमार बंसल ने विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ महाराज जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संगठन की महिलाओं द्वारा तीज महोत्सव की विधिवत वेशभूषा में नृत्य की प्रश्तुति रही। साथ ही विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जिसमे बच्चों के लिए गेम्स, कपल गेम्स का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष नवीन अग्रवाल जलेसर ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रगति गर्ग, रिया अग्रवाल व ईशा मांगलिक रही। कार्यक्रम में महिलाओं के साथ पुरुषों ने भी हरियाली तीज के उपलक्ष में मल्हार गाकर व नृत्य कर कार्यक्रम का आनंद लिया।

संगठन के अध्यक्ष एड प्रशांत अग्रवाल ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों को श्रावणमास की शुभकामनाएं देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महामंत्री विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीए पीयूष अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष प्रांजुल गर्ग, नवीन अग्रवाल जलेसर, राहुल गोयल जलेसर, आशीष कोठी, राहुल गर्ग बीमा, दिव्यांश, अंकुर टिंबर, आकाश एगोन, सक्षम जट्टारी, ललित, गौरव, आयुष, रजत, दिव्यांशु, विपिन आदि उपस्थित रहे।

बच्ची का फोटो वायरल करने की शिकायत

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेनो वेस्ट की एक सोसाइटी के व्हाट्सऐप ग्रुप पर तीन साल की मासूम बच्ची का फोटो वायरल कर दिया गया। कुछ लोग पिता को फोटो भेजकर मजाक बना रहे हैं। पीड़ित पिता की शिकायत पर बिसरख कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक एक सोसाइटी में रहने वाले एक व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि वह रविवार की सुबह बेटी को पार्क में घूमाने के लिए ले गए। इसी बीच वह पार्क के किनारे बेटी को लघुशंका कराने के बाद उसके कपड़े ठीक कर रहे थे। इसी दौरान सोसाइटी के रहने वाले एक व्यक्ति ने बच्ची के कुछ फोटो खींच लिए और उन्हें सोसाइटी के व्हाट्सऐप ग्रुप पर डाल दिया। इसके बाद सोसाइटी के लोग बच्ची के पिता को फोटो भेजकर उनका मजाक उड़ा रहे हैं।

दफ्तर से घर जा रहे युवक का मोबाइल छीना

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-16 मेट्रो स्टेशन के पास दो माह पहले एक व्यक्ति के हाथ से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित ने फेज-वन थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

सेक्टर-44 में रहने वाले प्रवीण कुमार ने बताया कि वह सेक्टर-16 स्थित एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। 30 मई को कार्यालय का काम खत्म करने बाद घर जा रहे थे। इसी दौरान सेक्टर 16 मेट्रो स्टेशन के पास एक बाइक दो युवक आए और पीड़ित के हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए।

लिफ्ट में 20 मिनट फंसी रहीं महिला

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

सेक्टर पाई 2 स्थित आनंद आश्रय सोसाइटी में बुधवार सुबह बुजुर्ग महिला 20 मिनट तक लिफ्ट फंसी रहीं। इससे उनकी हालत खराब हो गई।

आरोप है कि कर्मचारियों को लिफ्ट का गेट भी खोलने नहीं आया। सोसाइटी में रहने वाले अमित भाटी ने बताया कि बुधवार सुबह एक बुजुर्ग महिला गोदावरी टावर में बेसमेंट से ऊपर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुई। थोड़ा ऊपर जाने के साथ ही लिफ्ट ने अचानक झटका लिया और दूसरे और तीसरे फ्लोर के बीच में अटक गई। थोड़ी देर तक महिला ने लिफ्ट का गेट खुलने का इंतजार किया।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत, वायु गुणवत्ता में सुधार

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

दिल्ली-एनसीआर में हो रही बारिश ने लोगों को गर्मी और उमस से काफी हद तक राहत दिलाई है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 से 4 अगश्त तक बारिश या गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस तक बने रहने की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग की ओर से अभी तक किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। बारिश की वजह से पूरे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में काफी ज्यादा सुधार देखा गया है। अधिकांश स्थानों पर एक्यूआई 'अति उत्तम' (0-50) से 'उत्तम' (51-100) श्रेणी में दर्ज किया गया है।

तेलंगाना में 14 मुस्लिम जातियों को आरक्षण देने की तैयारी में सरकार

हैदराबाद, एजेंसी।
तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 14 मुस्लिम जातियों को पिछड़ा वर्ग (बीसी) के तहत आरक्षण की सुविधा देने की तैयारी कर रही है। इन जातियों में करीब 3 लाख परिवार शामिल हैं, जो लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। अब तक इन मुस्लिम समूहों को बीसी (ई) श्रेणी के अंतर्गत 4 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था, लेकिन कानूनी विवादों और धार्मिक आधार पर आरक्षण को लेकर उठे सवालों के कारण यह नीति प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाई। सरकार का मानना है कि इन जातियों को धर्म नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर लाभ दिया जाना चाहिए।

सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक जाति सर्वे की रिपोर्ट फरवरी 2025 में सार्वजनिक हुई थी। इसमें सामने आया कि राज्य की कुल 12.58 प्रतिशत मुस्लिम आबादी में से 10.08 प्रतिशत पिछड़े मुसलमान हैं और सिर्फ 2.5 प्रतिशत मुसलमान अन्य वर्ग में आते हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हैदराबाद के पुराने शहर में कई मुस्लिम महिलाओं ने गणनाकर्ताओं से बातचीत नहीं की, जिससे मुस्लिम आबादी में 1-2 प्रतिशत की संभावित कमी आंकी गई है।

एसईईपीसी सर्वे के आधार पर तेलंगाना विधानसभा ने मार्च में एक विधेयक पारित कर पिछड़ा वर्ग आरक्षण को 27प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया। यह वृद्धि शिक्षा, सरकारी नौकरियों और स्थानीय निकाय चुनावों में लागू होगी। यह विधेयक अब राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा गया है। राज्य सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ नेता मो. अली शब्बीर के अनुसार, करीब 3 लाख शिया परिवार न सिर्फ आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हैं, बल्कि उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने बताया कि सर्वे के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के 10.08 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं और सहायता के पात्र हैं। उन्होंने बताया, सैयद, मुगल, पठान, अरब, कोज्जा मेमन, आगा खानी और बोहरा जैसे मुस्लिम समूह पेशे पर आधारित जातियां हैं, जैसे अन्य पिछड़ी वर्ग की जातियां होती हैं। यह धर्म आधारित आरक्षण नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन पर आधारित प्रस्ताव है। भाजपा द्वारा इस प्रस्ताव पर धर्म आधारित आरक्षण का आरोप लगाए जाने पर मो. अली शब्बीर ने कहा, जब भी मुस्लिम आरक्षण की बात हुई, सरकारों से पूछा गया डेटा कहां है? अब हमारे पास सर्वे के माध्यम से ठोस आंकड़े हैं। अधिकांश गरीब मुसलमान फल-सब्ज़ी विक्रेता, कबाड़ी, ड्राइवर जैसे काम करते हैं। उन्हें भी उतने ही अधिकार मिलने चाहिए जितने अन्य समुदायों को। शब्बीर ने संकेत दिया कि सरकार अब विचार कर रही है कि इन 14 मुस्लिम जातियों को भी वही लाभ और योजनाएं दी जाएं जो एससी, एसटी और अन्य बीसी समुदायों को दी जा रही हैं। जैसे कि रोजगार में प्राथमिकता, छात्रवृत्ति, उद्यमिता सहायता और स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधित्व।

वैश्य समाज का वीवीएस राष्ट्रीय राजनीतिक संगठन हर घर कार्यकर्ता अभियान को ज़मीनी स्तर पर तेजी से आगे बढ़ायेगा : अनिल वार्ष्णेय

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

वैश्य समाज के उत्थान के लिए समर्पित वीवीएस राष्ट्रीय राजनीतिक संगठन की वर्चुअल बैठक में समाज में अपनी भागेदारी साबित करने को लेकर गहन विचार विर्मश हुआ। इस बैठक में देशभर से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारीगण, युवा नेतृत्व एवं जागरूक परिवारीजनों ने संगठन की आगामी दिशा एवं भविष्य की कार्ययोजना पर अपने सुझाव, मार्गदर्शन एवं संकल्प साझा किए।

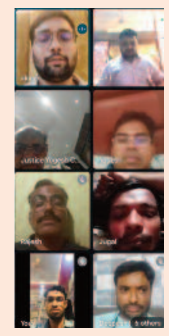

उक्त बैठक में जस्टिस वाई.सी. गुप्ता नरेंद्र कुमार गुप्ता मनीष वार्ष्णेय योगेश गुप्ता पुनीत शरद विपिन कुमार हर्षित वार्ष्णेय बांके बिहारी वार्ष्णेय राहुल वार्ष्णेय माधव लोचन एड. श्वेता वार्ष्णेय दीपेश वार्ष्णेय दिनेश गुप्ता जुगल वार्ष्णेय हिमांशु वार्ष्णेय किशोर बाबू गुप्ता राजेश वार्ष्णेय पुनीत वार्ष्णेय संतोष वार्ष्णेय शैलेन्द्र वार्ष्णेय आकाश नवरत्न आदि ने भाग लिया। संचालन अनिल वार्ष्णेय, गुड़गाँव द्वारा किया गया।

बैठक में तय हुआ कि हर घर कार्यकर्ता अभियान को ज़मीनी श्तर पर तीव्र गति से आगे बढ़ाया जाएगा ताकि समाज का हर वर्ग संगठन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ सके। वीवीएस का चुनाव आयोग में शीघ्र पंजीकरण कराकर आगामी मुंबई बीएमसी चुनावों में वीवीएस प्रत्याशियों को मैदान में उतारने की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। हाथरस एवं अलीगढ़ जनपदों में संगठन विश्तार हेतु एक जनसंपर्क पैनल गठित किया गया जिसमें एड. श्वेत वार्ष्णेय दीपेश वार्ष्णेय हर्षित वार्ष्णेय हिमांशु वार्ष्णेय को शामिल किया गया। बैठक में सुझाव आये कि संगठनात्मक संवाद की गति बढ़ाने हेतु अब प्रत्येक तीन सप्ताह की जगह दो सप्ताह में वर्चुअल अथवा प्रत्यक्ष बैठक आयोजित की जाएगी।

वीवीएस की अगली वर्चुअल बैठक आगामी 12 अगश्त को रात्रि 9 बजे आयोजित की जाएगी जिसका संयोजन आकाश नवरत्न मथुरा (सेक्टर संयोजक यमुनापार) करेंगे। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अनिल वार्ष्णेय ने अवगत कराया कि वार्ष्णेय समाज चैरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई द्वारा वाशी स्थित "वार्ष्णेय भवन" को वीवीएस के महाराष्ट्र प्रदेश / पश्चिम के क्षेत्रीय कार्यालय के रूप में प्रदान करने का प्रश्तव दिया गया है जो सराहनीय है।

छात्रों को करती थी गंदे वीडियो कॉल और अश्लील मैसेज, नवी मुंबई की महिला टीचर गिरफ्तार

मुंबई , एजेंसी।
महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पेशे से शिक्षिका महिला नाबालिग छात्रों के साथ अश्लील हरकतें करती थी। खास बात है कि यह मामला ऐसे समय पर सामने आया है, जब एक अदालत ने नाबालिग छात्र के साथ शारीरिक संबंध बनाने वाली मुंबई की शिक्षिका को जमानत दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवी मुंबई के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने वाली एक शिक्षिका को पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया है। शिक्षिका पर आरोप हैं कि वह स्कूल के छात्रों के साथ वीडियो कॉल पर अश्लील हरकतें करती थी। खबर है कि वह स्कूल के बच्चों को अपने अश्लील वीडियो भी भेजा करती थी।

मामला तब सामने आया, जब एक छात्र के परिवार ने शिक्षिका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोपी और पीड़ित के फोन की जांच करने के बाद कथित तौर पर अश्लील वीडियो पाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि स्कूल में दो और पीड़ित छात्र है, लेकिन इस संबंध में अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। नाबालिक छात्र के यौन उत्पीड़न की आरोपी एक महिला को अदालत ने हाल ही में जमानत दी है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने आदेश में कहा है कि सबूत दिखाते हैं दोनों के बीच सहमति से संबंध थे। स्पेशल जज सबीना मलिक ने कहा, आरोपी ने स्कूल से इस्तीफा दे दिया था, तो छात्र और शिक्षिका के बीच संबंध की बात नहीं है। ऐसे में प्रभाव उतना नहीं है। जज ने कहा कि ट्रायल पूरा होने में समय लगेगा और आरोपी को तब तक हिरासत में रखने से कुछ नहीं मिलेगा।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, टीचर की उम्र 40 साल बताई जा रही है और वह शादीशुदा है। साथ ही उसका एक बच्चा भी है। जबकि, पीड़ित छात्र 11 कक्षा में था और 16 साल का था। शिकायत में कहा गया है कि वह दिसंबर 2023 में हाई स्कूल के वार्षिक समारोह के दौरान डांस ग्रुप बनाने के समय वह कई बार छात्र के संपर्क में आई। तब ही वह उसके प्रति आकर्षित हुई। जनवरी 2024 में उसने पहली बार छात्र के सामने संबंधों का प्रस्ताव रखा।

समन्वय सहयोग व संवाद से बदलेगी मामू भांजा मार्केट की स्थिति

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ के अति व्यशततम और इलेक्ट्रॉनिक मार्केट मामू भांजा में अव्यवस्थित पार्किंग व अतिक्रमण की समस्या से आने वाले दिनों में नगर निगम से बड़ी राहत मिलने वाली है।

मामू भांजा इलेक्ट्रॉनिक मार्केट को शहर की आदर्श मार्केट बनाने की दिशा में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने पहला कदम उठाते हुए मामू भांजा इलेक्ट्रॉनिक मार्केट के व्यापारियों के साथ कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर के सभागार में विचार विमर्श किया।

बुधवार दोपहर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने व्यापारियों के साथ कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में संवाद स्थापित कर आवश्यक सुझाव प्राप्त किए। बैठक में अव्यवस्थित पार्किंग अतिक्रमण व संकरी गलियों में होने वाली भीड़भाड़, ट्रैफिक जाम की समस्या पर विशेष चर्चा हुई। नगर आयुक्त ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि नगर निगम इस मार्केट को मॉडल मार्केट के रूप में विकसित करेगा। प्रथम चरण में वैकल्पिक पार्किंग स्थल के लिए भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है इसके लिए एक विशेष टीम गठित कर दी गई है। साथ ही दुकानों द्वारा किए गए अतिक्रमण की पहचान कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए कहा जायेगा जो नही हटाएगा तो नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल शेड, पुलिस पिकेट, एवं अतिक्रमण ध्वश्तीकरण अभियान जैसे अन्य बिंदुओं पर भी कार्य योजना तैयार की जा रही है। नगर निगम का प्रवर्तन दल मामू भांजा में 24 घंटे निगरानी रखेगा जिससे यातायात व व्यापारिक गतिविधियों में बाधा न उत्पन्न हो।

बैठक में नगर आयुक्त ने उप नगर आयुक्त अमित कुमार सिंह को तत्काल मामू भांजा में वैकल्पिक पार्किंग स्थान को ढूंढने के लिए निरीक्षण करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि 'समन्वय, संवाद और सहयोग की भावना से मामू भांजा मार्केट को आदर्श बाजार बनाया जाएगा। नगर निगम को व्यापारियों का सकारात्मक सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस दौरान मास्टर ओम प्रकाश, मोनू वार्ष्णेय, राजेश गर्ग, विष्णु गुप्ता, आदि व्यापारी मौजूद रहे।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने अभ्युदय कोचिंग केंद्र का किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला समाज कल्याण अधिकारी विनीत कुमार मलिक ने बुधवार को रामघाट रोड़ स्थित एसएमबी इण्टर कालेज में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग केन्द्र का निरीक्षण कर यूपीएससी, यूपीपीएससी, एसएससी एवं नीट की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओ को मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्रदान किया।

निरीक्षण के दौरान कक्षाओं में अध्यापन करा रहे शिक्षक विप्रेश शर्मा, रामस्नेही एवं पूनम राघव से विषय और टॉपिक की जानकारी प्राप्त कर छात्रों को आईएएस, आईपीएस जैसे पदों पर चुने जाने के लिए संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रणाली की जानकारी प्रदान की।

उन्होंने छात्रों से संवाद करते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी, समय प्रबंधन, न्यूनतम और प्रतिदिन 7-8 घंटे अध्ययन करने, प्रत्येक विषय पर तार्किक समझ विकसित करने एवं सतत अध्ययन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर छात्रों को उपयोगी टिप्स प्रदान किया।

उन्होंने पाठ्यक्रम के सभी विषयों का

समान महत्व बतलाते हुए छात्रों को सभी विषयों पर पर्याप्त अध्ययन करने के लिए प्रेरित करते हुए अपनी व्यक्तिगत तैयारी के अनुभवों और अपने सहपाठियों के प्रयासों पर विश्तृत चर्चा कर छात्रों को परीक्षा के द्वौरान आत्मविश्वास बनाए रखने का सुझाव दिया। उन्होंने छात्रों से शिक्षकों के बारे में जानकारी प्राप्त की जिस पर सभी छात्रों ने एक स्वर में सभी शिक्षकों के अच्छे होने की जानकारी दी।

विदित रहे कि विगत दिनों सीडीओ प्रखर कुमार सिंह द्वारा भी अभ्युदय कोचिंग केंद्र एसएमबी इंटर कॉलेज का भ्रमण कर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया था।

अपने 2 घण्टे से अधिक लम्बे व्याख्यान में सीडीओ ने छात्रों को स्वयं को स्वस्थ रखते हुए सतत अध्ययन करने की शिक्षा देते हुए छात्रों को बेहतरीन शिक्षकों द्वारा नियमित अध्यापन एवं सामायिक टेस्ट कराने एवं कोचिंग में अच्छी सुविधाओं का आश्वासन दिया। समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिसके तहत एसएमबी इंटर कॉलेजमें निःशुल्क कोचिंग का नया सत्र 21 जुलाई से प्रारंभ है। अभ्युदय कोचिंग में आईएएस, पीसीएस, एसएससी एवं नीट की तैयारी कराई जा रही है, जिसमें कुल 250 छात्र-छात्राऐं पंजीकृत हैं। सभी कोर्सों में अध्यापन के लिए 16 शिक्षकों का पैनल है।

इसके अतिरिक्त प्रशासनिक सेवा में कार्यरत अधिकारियों को फैकल्टी के रूप में जोड़ा गया है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित यह योजना समाज के सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समान अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने बताया कि सत्र 2024-25 में अभ्युदय कोचिंग की छात्रा भूमि वार्ष्णेय ने नीट परीक्षा 2025 में आल इंडिया रैंक 6442 हासिल किया है।

तीन दिन पहले पिता बने सीआरपीएफ जवान की हत्या, कांवड़ यात्रा के दौरान हुए झगड़े के कारण गई जान

सोनीपत , एजेंसी।
हरियाणा के सोनीपत जिले में तीन हमलावरों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक 30 वर्षीय जवान की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस को संदेह है कि पिछले हफ्ते पीड़ित का कांवड़ियों से झगड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि घटना उस समय हुई जब कृष्ण नाम का जवान घर लौट रहा था। पुलिस को शक है कि कांवड़ यात्रा के दौरान सीआरपीएफ जवान से झगड़ा करने वाले युवकों की इसमें संलिप्तता है। पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब छत्तीसगढ़ में तैनात कुमार खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला मेडिकल कॉलेज से घर लौटे थे, जहाँ उनकी पत्नी ने 25 जुलाई को एक लड़के को जन्म दिया था। पुलिस ने बताया कि मृतक कृष्ण कुमार,गोहाना के खेड़ी दमकन गाँव निवासी के रूप में हुई है। कुमार छत्तीसगढ़ में तैनात थे, लगभग एक महीने पहले छुट्टी पर घर आए थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं, जिनमें से एक का जन्म तीन दिन पहले हुआ था। उनकी पत्नी अभी भी अस्पताल में हैं। गोहाना के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीकांत ने कहा, कृष्ण 22 जुलाई को कांवड़ यात्रा के लिए हरिद्वार गए थे। उस यात्रा के दौरान, उनकी अपने गाँव के कुछ लोगों से तीखी बहस और मारपीट हुई थी। रविवार देर

रात गाँव के कुछ लोगों ने सोमवार रात लगभग 1 बजे कृष्ण को घर से बाहर बुलाया। जैसे ही वह घर से बाहर निकले, उन्हें गोली मार दी गई। श्रीकांत ने आगे कहा, गोलियों की आवाज सुनकर, कृष्ण के परिवार के सदस्य उनकी ओर दौड़े, जहाँ वह खून से लथपथ ज़मीन पर पड़े थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जाँच अधिकारियों ने बताया कि कुमार के परिवार ने उसी गाँव के तीन लोगों - अजय, आनंद और निशांत - के नाम दर्ज कराए हैं, जिन पर उन्हें अपने बेटे की हत्या का शक है। जाँच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने कहा, एफआईआर दर्ज कर ली गई है और अभी तक फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस ने बताया कि उन्होंने चार टीमें गठित की हैं और हमलावरों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए मामले की जाँच कर रही हैं।

हरियाणा में 2779 लोगों की हैं दो या दो से ज्यादा पत्नियां, नूंह में सबसे ज्यादा

नूंह , एजेंसी।
हाल ही में हिमाचल प्रदेश में दो भाइयों की एक ही लड़की से शादी की खबर काफी चर्चित रही थी। यह शादी हाटी समुदाय की एक परंपरा के अनुसार हुई थी। वहीं, हरियाणा में परिवार पहचान पत्र के डाटा में ऐसे ही दिलचस्प मामले सामने आए हैं। हरियाणा में 2779 ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी एकल परिवार में दो या दो से अधिक पत्नियां दर्ज हैं। चौंकिये मत, हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी परिवार पहचान पत्र योजना में यह खुलासा हुआ है। परिवार पहचान पत्र के डाटा विश्लेषण में पता चला कि इन लोगों ने अपनी फैमिली आईडी में पत्नियों के साथ-साथ उनके बच्चों की भी जानकारी दी है। 2761 व्यक्तियों की दो पत्नियां, 15 लोगों की तीन, जबकि तीन व्यक्तियों की तीन से अधिक पत्नियां दर्ज हैं। यह विवरण लोगों द्वारा स्वयं दर्ज किया गया है, इसलिए इसे सही माना जा रहा है।

जिलेवार आंकड़ों के मुताबिक नूंह में 353 लोगों की एकल परिवार में दो पत्नियां हैं। अंबाला में 87, भिवानी में 69, चरखी दादरी में 30, फरीदाबाद में 267, फतेहाबाद में 104, गुरुग्राम में 157, हिसार में 152, झज्जर में 72, जींद में 146, कैथल में 92, करनाल 171, कुरुक्षेत्र में 96, महेंद्रगढ़ में 81, पलवल में

178, पंचकूला में 44, पानीपत में 129, रेवाड़ी में 80, रोहतक में 78, सिरसा में 130, सोनीपत में 134, यमुनानगर में 111 व्यक्तियों की दो पत्नियां हैं।

इसके अलावा भिवानी में दो, फरीदाबाद में दो, हिसार में एक, झज्जर में एक, जींद में एक, करनाल में दो, कुरुक्षेत्र में एक, नूंह में एक, पलवल में एक, रेवाड़ी में एक, सोनीपत में दो लोगों की तीन पत्नियां दर्शाई गई हैं।तीन पत्नियों वाले मामलों में फरीदाबाद, भिवानी, करनाल और झज्जर जैसे जिलों के नाम शामिल हैं। परिवार पहचान प्राधिकरण के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने कहा कि फैमिली आईडी एक धर्मनिरपेक्ष पहचान प्रणाली है। इसमें धर्म का कोई कॉलम नहीं है लेकिन सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए व्यक्ति की जाति का उल्लेख अनिवार्य है और उसका सत्यापन भी होता है। उन्होंने कहा कि पत्नियों और बच्चों की जानकारी के सत्यापन की कोई प्रणाली नहीं है, इसलिए यह जानकारी व्यक्तियों द्वारा दी गई स्व-घोषित जानकारी पर आधारित है।

पूरे परिवार की जानकारी देना मजबूरी, वरना सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं: हरियाणा सरकार ने राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं को फैमिली आईडी से जोड़ दिया है। इसके तहत हर व्यक्ति को अपने परिवार पत्नी, बच्चों की पूरी जानकारी दर्ज करनी होती है। फैमिली आईडी के बिना किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल सकता। हालांकि, प्राधिकरण के अनुसार किसी व्यक्ति की पत्नी या बच्चों का औपचारिक सत्यापन नहीं किया जाता, केवल जाति और आय का सत्यापन होता है। बिना फैमिली आईडी के कोई भी व्यक्ति अब किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं ले सकता। यही कारण है कि लोग इसमें अपने पूरे परिवार, पत्नी और बच्चों की जानकारी देने को मजबूर हैं।

छात्रा को बहला फुसला कर ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. नहटौर । कक्षा 10 की छात्रा को बहला-फुसलाकर कर ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान कर दिया।पॉक्सो एक्ट की वृद्धि की गई है। जानकारी के अनुसार नहटौर के एक मोहल्ला निवासी कक्षा 10 की छात्रा श्याम नारायण सिंह स्मारक इंटर कॉलेज में पढ़ने के लिए गई थी। इसके बाद से वह लापता हो गई।उसके परिजनो ने नहटौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना अध्यक्ष धीरज नागर ने बताया कि छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया गया है और आरोपी बढ़ापुर थाना क्षेत्र के गांव जाफरपुर के अजय कुमार पुत्र जसपाल को गिरफ्तार किया गया। पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओ में उसका चालान कर दिया गया है।

बंद फैक्ट्री की छत पर दिखा तेंदुआ

एनसीआर टुडे. चांदपुर । चांदपुर क्षेत्र के गांव हीमपुर बुजुर्ग में गुलदार की दहशत फैल गई है। एक गुलदार बंद पड़ी फैक्ट्री की छत पर बैठा दिखाई दिया। गांव वालों ने इसका वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। मामला तहसील चांदपुर के ग्राम हीमपुर बुजुर्ग का है। हीमपुर बुजुर्ग से रतनगढ़ जाने वाले मार्ग पर स्थित बंद फैक्ट्री पर गुलदार बैठा नजर आया। ग्रामीणों के अनुसार गांव के आसपास 4 गुलदार देखे जा रहे हैं। इनमें दो बड़े और दो बच्चे शामिल हैं। इस स्थिति से पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि गुलदार बिना किसी डर के फैक्ट्री के ऊपर बैठा हुआ है। हीमपुर बुजुर्ग गांव के निवासियों ने वन विभाग को सूचना दी है। ग्रामीणों ने गुलदारों को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है। वे चाहते हैं कि किसी अनहोनी से पहले ही बचा जा सके। इस मामले में चांदपुर क्षेत्रीय वन अधिकारी दुष्यंत सिंह ने बताया कि गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की कार्यवाही की जा रही है। वन विभाग जल्द ही समस्या का समाधान करेगा।

अगस्त को ट्रैक्टर रैली को सफल बनाने का आह्वान

एनसीआर टुडे. नहटौर । 13 अगश्त को हाईकमान के आदेशानुसार जिला मुख्यालय पर निकलने वाली टैक्टर रैली को सफल बनाने के लिये जिला उपाध्यक्ष चौधरी सुजीव कुमार जिला सचिव चौ. जगत सिंह डबास, ब्लाक युवा उपाध्यक्ष अरुन चौधरी ने सदरुददीन नगर, खजूरा जट, तालमपुर, महमूदपुर आदि गावो का दोरा कर किसानो से टैक्टर के साथ चलने का आहवान किया उन्होने किसानो से कहा कि अपनी विभिन्न मागों को लेकर जिला मुख्यालय पर टैक्टर के साथ अपनी मांग मनबाने को लेकर बिरोध किया जायेगा उन्होने अधिक से अधिक किसानो से चलने का आहवान किया। इस दोरान ब्लाक महासचिव अशोक सैनी, हेमेन्दर राठी, निशू त्यागी, रईस अहमद, रफीक अहमद, सोनू सैनी, शिवनाथ सिंह, सतपाल सिंह, आदेश कुमार, नरेन्दर सिंह आदि रहे।

ड्रोन एवं संदिग्ध आदमियों की अफवाह फैलाने वाले के प्रति पुलिस सतर्क

एनसीआर टुडे. नहटौर । क्षेत्र के विभिन्न गांव में पुलिस ने बैठक कर ग्रामीणों को ड्रोन जैसी अफवाह न फैलाने व संदिग्ध दिखाई देने पर पुलिस को सूचित करने की अपील की। जिससे होने वाली घटना से बचा जा सके। प्राप्त समाचार के अनुसार क्षेत्राधिकारी धामपुर अभय पांडे व थानाध्यक्ष धीरज सिंह ने क्षेत्र के गांव नन्हेड़ा, अंबरपुर जाफर उर्फ मच्छमार, ढकौली, फुलसंदा आदि गांव में पहुंचकर बैठक की। बैठक में क्षेत्राधिकारी धामपुर अभय पांडे ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि ड्रोन की अफवाहें उड़ाई जा रही हैं। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि कहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो उसकी सूचना पुलिस को दें। यदि कहीं किसी संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर उसको पकड़कर उसके साथ मारपीट न करे उसकी सूचना पुलिस को दे। उन्होंने लोगों से कानून को हाथ में न लेने की अपील की।।साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने वाले व।कानून को हाथ में लेने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करे ताकि समस्या से निपटा जा सके ओर लोगों की जागरूक करते रहे।

फूड प्वाइजनिग से गांव के 30 लोग बीमार, जिन में अधिकांश बच्चे

एनसीआर टुडे. बिजनौर । नजीबाबाद क्षेत्र के गांव कनकपुर कलां में फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आया है। गांव में शाम के समय चाट खाने के बाद करीब 30 लोग बीमार हो गए। इनमें अधिकांश बच्चे शामिल हैं। रात लगभग आठ बजे ग्रामीणों को अचानक उल्टी और दस्त की शिकायत शुरू हुई। देखते ही देखते कई परिवारों में फूड प्वाइजनिंग के लक्षण दिखने लगे। पीड़ितों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर लाया गया। बीमार हुए लोगों में मुलफैज, इल्मा, सनूबी, अरहमा, अली, रेशमा, आलिया, अलीना, नगमा, समरीन, अफीफा, यासमीन और नरगिस शामिल हैं। चार से सात वर्ष आयु के 5 बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार गांव में बिकने वाली चाट खाने के कुछ घंटे बाद ही लोगों को उल्टी दस्त की शिकायत शुरू हो गई। रात होते होते बीमारों की संख्या बढ़ती गई। सूचना मिलते ही प्रशासनिक, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। सीओ नितेश प्रताप सिंह और थाना प्रभारी धीरज सोलंकी ने अपनी टीम के साथ पीड़ितों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ इंद्राज सिंह, डॉक्टर नवनीत और डॉक्टर दिलशाद अहमद की टीम ने बीमारों का उपचार किया।

बालिकाओं ने हॉकी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद । गाजियाबाद, 30 जुलाई (वेब वार्ता)। डासना स्थित गुरुकुल द स्कूल की बालिका हॉकी टीम ने सीबीएसई नॉर्थ जोन-1 प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता। टीम के कोच नीरज कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता रामपुर में 22 से 26 जुलाई के बीच हुई। अंतिम लीग मैच में अंतिम मिनट में हुए गोल के कारण उसे टीम का हार का सामना करना पड़ा और तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

रायपुर सादात में किसानों की पंचायत

चौधरी दिगंबर सिंह ने क्षेत्र के किसानों को किया संबोधित

एनसीआर टुडे. रायपुर सादात

किसानों की आवाज और उनके हितों के लिए संघर्ष करने वाले चौधरी दिगंबर सिंह ने रायपुर सादात के एक मैरिज हॉल में किसानों की पंचायत को संबोधित करते हुए कहा धर्म के नाम पर लड़कर वोट हासिल करने वाले नेताओं से उन्हें सावधान रहना होगा।

किसानों में धर्मनिरपेक्ष भावना होनी चाहिए हम किसान हैं और अपने अधिकार प्राप्त करना हमारा हक है बस कानून की हमें जानकारी होनी चाहिए उनके सामने रायपुर सादात से शाह अलीपुर कोटरा जाने वाले राश्ते पर अधूरा पड़ा पुल की समस्या लोगों ने उठाई और बिजली की समस्या भी किसान नेताओ के सामने रखी ग्राम रायपुर सादात में चौहान फार्म हाउस पर आज किसान महापंचायत का आयोजन किया गया था।

जिसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय किसान नेता हाजी एहसान एडवोकेट ने की और संचालन डॉक्टर देवेंद्र सिंह ने किया चौधरी दिगंबर सिंह युवा प्रदेश अध्यक्ष के आने से पूर्व किसान नेताओं ने अपने विचारों में कहा क्षेत्र में ग्राम शाह अलीपुर कोटरा जाने वाला मार्ग पर वर्षों से पुल का निर्माण अधूरा पड़ा है।

एक किसान द्वारा स्टे लेने के बाद पुल का निर्माण रुक गया था अब स्टे टूट गया है पुल का निर्माण होना अति आवश्यक है जिससे हजारों लोगों का आना-जाना आसान हो जाएगा वक्ताओं ने कहा कि बिजली भी एक समस्या है बिजली की कटौती अनावश्यक रूप से की जा रही है।

बिजली में सुधार होना चाहिए युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह के सभा स्थल पर पहुंचने पर किसानों में भारी उत्साह पैदा हो गया और किसानों में उनके प्रति भारी उत्साह देखने को मिला भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के जिला अध्यक्ष नितिन सिरोही वीर सिंह डबास ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र सिंह हाजी एहसान एडवोकेट के नेतृत्व में किसान नेता चौधरी दिगंबर सिंह का शानदार स्वागत किया।

दिगंबर सिंह ने अपने संबोधन में कहा परिवर्तन सड़क पर उतरने से नहीं कानून की जानकारी रखने से होता है हम संगठन बनाकर एकता को प्रदर्शित करते हैं जिससे हमारी आवाज अफसरों और सरकार तक पहुंचती है लेकिन हमें ईमानदारी के साथ अपना कार्य करना है।

हम जब पंचायत में आते हैं हम सब किसान होते हैं हमारे बीच में कोई धर्म नहीं होता हम सब किसान हैं लेकिन इलेक्शन का टाइम आने पर हम धर्म जाति में बटकर अपना वोट कर देते हैं जिससे किसान का हित पीछे रह जाता है और किसान के हितों पर कोई ध्यान नहीं देता।

उन्होंने कहा देश को आजाद करने में किसी धर्म के ठेकेदार का योगदान नहीं सामाजिक लोगों ने देश को आजाद कराया था आज हम आजाद देश में खुली सांस ले रहे हैं सरकार किसानों के हित में योजना बनाती है लेकिन वह योजना किसानों तक ईमानदारी के साथ पहुंचे इसके लिए हमें जानकारी रखनी होगी।

भू माफियाओं को मन से खुली चुनौती देते हुए कहा किसी भी किसान की भूमि को माफिया संगठन के रहते हुए कब्जा नहीं सकता युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह ने कहा आपके सामने ग्राम सुंदर वाली में एक किसान मगघन लाल की जमीन पर दो दशक से अधिक वन विभाग ने कब्जा कर रखा था किसान सब जगह हाथ पांव मारकर थक गया था।

लेकिन जब भारतीय किसान यूनियन के संज्ञान में यह मामला लाया गया तो किसान यूनियन ने ठान ली के किसान की जमीन वन विभाग से खाली करा कर रहेंगे और सन 2018 के लगते ही किसानों ने पूरी ताकत के साथ मगघन लाल की जमीन को खाली करा कर उसे उसका मालिकाना हक दिलाया और उसकी जमीन आजाद कराई उन्होंने कहा ऐसे ही एक मुज़फ़्फ़र नगर की कंपनी नकली दवाइयां और बीज बनाकर जिले में माफिया गिरी कर रही थी।

करीब 2 वर्ष की बात है उन्होंने उन माफियाओं के ट्रक को पकड़ लिया पुलिस ने भी यूनियन का सहयोग किया और माफियाओं का ट्रक पड़कर उसमें भरी दवाइयां का सैंपल लेकर नमूना जांच के लिए भेजा गया दवाई का नमूना फेल हुआ और उसे कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई हुई यह मामला कृषि मंत्री भारत सरकार तक पहुंचा और भारत सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा किसान यूनियन ने उनका ध्यान इस और पूरी जोर-शोर से खींचा है। वह किसानों के काम आने वाले खाद बीज और दवाइयां में किसी तरह की मिलावट खोरी बर्दाश्त नहीं करेंगे ऐसी कंपनियों के विरुद्ध अधिकारी सख़्ती से कार्यवाही करें किसान नेता चौधरी दिगंबर सिंह ने कहा अधिकार मांगने से नहीं जानकारी रखने से मिलते हैं हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा किसान की कोई जमीन हथियाए उनके साथ धोखाधड़ी करें।

भारतीय किसान यूनियन इसको किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी किसान पंचायत को प्रधान तबरेज आलम अंसारी वीर सिंह डबास नितिन सिरोही विजेंद्र सिंह कृष्ण पाल सिंह सरदार हीरा सिंह नागेंद्र सिंह कुंवर हर्ष कुमार नगीना धर्मपाल सिंह राकेश प्रधान रईस भट्टे वाले आदि किसान नेताओं ने संबोधित किया

महिला ने अपने ही मायके वालों के साथ मिलकर ससुराल वालों के यहाँ रखे लाखों रुपए के जेवर व 50 हजार की नक़दी उड़ाई

एनसीआर टुडे. नगीना

एक महिला अपने मायके वालों के साथ हमसाज होकर अपनी ही ससुराल के रखे कई लाखों के जेवर व पति के 50 हजार सहित पति द्वारा दिये गए क़रीब 5 लाख रुपये कीमत के जेवर लेकर फरार हुई। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

4 दिन पूर्व पीड़ति पिता ने शिकायत कर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने पुत्र कफील अहमद की शादी अन्जुम परवीन पुत्री नसरूददीन निवासी मौहल्ला लाल सराय चुन्ना भटटी नगीना के साथ करीब 2 वर्ष पूर्व की थी। तथा पीड़ित पिता ने अपनी हैसियत के हिसाब से अपने पुत्र की शादी में उसकी पत्नी को हर जायज खुवाईश को पूरा किया और उसे कोई परेशानी नही होने दी। लेकिन शादी के बाद अन्जुम परवीन बहुत झगड़ालू एंव बदमिजाज महिला साबित हुई वह दिन रात घर मे लड़ाई झगड़ा क्लेश रखती थी अपने पति व सास ससुर के साथ भी हाथापाई करती रहती थी।

अचानक से बिना बताये घर से बाहर चली जाती थी और देर रात घर वापिस लौटती थी। प्रार्थी का पुत्र कफील घर से अकेला जाने को अपनी पत्नी को मना करता था तो उसी के साथ लड़ाई झगड़ा करती थी।

कुछ समय बीत जाने के बाद पीड़ित पिता के बेटे की पत्नी अन्जुम बिगड़ैल क़स्मि की रूखसार नामक महिला के सम्पर्क में आ गयी सब कुछ जानते हुए भी रूखसार एक अच्छे चाल चलन की महिला नही है। उसी दिन से अन्जुम, रूखसार के साथ मिलकर उसने एक योजना बनाई और बीते एक माह पूर्व दिनांक 24 जून 2025 को अन्जुम घर में रखे हुए लाखों रुपये के समश्त आभूषण और नगद 50 हजार रूपये लेकर फरार हो गयी है। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से शिकायत का गुहार लगाई है।

बेटी के साथ घर जा रही महिला के साथ मारपीट

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की अमर विहार कॉलोनी में मंगलवार शाम बेटी को ट्यूशन से लेकर घर लौट रही महिला के साथ गली में रहने वाले युवक ने गाली गलौज कर मारपीट की। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। अमर विहार कालोनी निवासी महिला रीना मंगलवार शाम करीब पांच बजे बेटी को ट्यूशन से लेकर घर लौट रही थी। आरोप हैं कि गली में रहने वाले युवक सोनू उन्हें गली में रोक कर गाली गलौज करने लगा। युवक महिला को उसके दोश्त की शादी न होने देने के लिए जिम्मेदार बताने लगा। विरोध किये जाने पर आरोपी ने गली में पड़ी ईंट उठाकर कमर में मार दी। उन्हें धक्का देकर नीचे रोड पर गिरा दिया।

फसल की नलाई करने गए पति-पत्नि के शव गन्ने के खेत में मिले

गाँव में मची अफरा'तफरी, पुलिस अफसरों ने किया मौके का दौरा

एनसीआर टुडे. नूरपुर

नूरपुर थाना क्षेत्र में खेत में फसल की नालाई करने गए पति-पत्नी का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस के उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम अब्दुल रहमानपुर उर्फ पुरैना निवासी परविंदर सैनी 42 वर्ष पुत्र मोतीराम व उसकी पत्नी गीता देवी 40 वर्ष बुद्धवार की सुबह अपने बच्चो को स्कूल छोड़कर धान की नालाई करने जंगल गए थे। बताया जाता है कि जब बच्चे स्कूल से घर लौटे तो माता पिता घर पर नही थे।

बच्चे अपने माता-पिता को देखने के लिए जंगल पहुंचे तो उन्हें अपने पिता परविंदर का शव चाकरोड के किनारे तथा अपनी माता गीता देवी का शव गन्ने के खेत में पड़ा देखा। जिसकी सूचना बच्चो ने अपने परिवार वालो सहित ग्रामीणों को दी।

सूचना मिलते ही परिवार के लोग व ग्रामीण मौके पर पहुंच गए तथा उन्होंने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि परविंदर गांव के जगदीश सिंह के खेत का बटाई पर काम करता था। उसने खेत में धान व गन्ने की फसल बो रखी है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर मौजूद थी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतको के शरीर पर कोई किसी भी तरह का निशान नहीं देखने को मिला। शवो को सील कर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही तमाम तरह के बिन्दुओं पर जांच की जाएगी। वहीं मृतक के परिजनों के।साथ-साथ गाँव वाले भी दोनों की हत्या किये जाने की बात कह रहे हैं।

फूड प्वॉयजनिंग से 3 दर्जन लोग बीमार, 4 जिला अस्पताल रेफर

एनसीआर टुडे. नजीबाबाद

गांव कनकपुर कलां में मंगलवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया जब चाट खाने के कुछ समय बाद ग्रामीणों की हालत बिगड़ने लगी।

उल्टी-दस्त की शिकायत के साथ करीब तीन दर्जन लोग बीमार पड़ गए। अचानक हुई इस घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई। बीमारों में सबसे ज़्यादा संख्या बच्चों और महिलाओं की है। रात होते होते सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर लाया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉक्टर इंद्रा इंद्राज सिंह, डॉ. नवनीत और डॉ. दिलशाद अहमद की टीम ने बीमारी का उपचार किया।

हालत गंभीर होने पर चार से सात वर्ष के बीच के पांच बच्चों को जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। बीमार व्यक्तियों में मुलफैज, इल्मा, सनूबी, अरहमा, अली, रेशमा, आलिया, अलीना, नगमा, समरीन, अफीफा, यासमीन और नरगिस आदि शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि गांव में लगे एक चाट के ठेले से सभी ने सामान खाया था, जिसके बाद स्वास्थ्य बिगड़ना शुरू हुआ घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची और चाट के सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत कार्यकर्ताओं मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया

एनसीआर टुडे. नगीना

अपनी मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारी और कार्यकर्ता तहसील नगीना पहुंचे। जहां सभी किसान अपनी मांगों को लेकर तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन करने लगे। किसानों ने अपनी 09 सूत्रीय मांगों को लेकर एक मांग पत्र एसडीएम नगीना को सौंपा।

एसडीएम नगीना द्वारा कार्रवाई के आश्वासन पर किसानों ने अपना धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। प्राप्त विवरण के अनुसार बुधवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर तहसील प्रांगण में धरना देकर बैठ गये। किसानों का आरोप था कि नगीना तहसील के कर्मचारी किसानों की समस्याओं को सुलझाने की बजाय उन्हें उलझा कर परेशान करने का काम कर रहे हैं।

किसानों ने अपने 09 सूत्रीय मांग पत्र में आरोप लगाया कि विद्युत से संबंधित शिकायतों का निश्तारण जल्द से जल्द किया जाए, साथ ही तहसील के लेखपालों द्वारा किसानों से अवैध वसूली की जाती है। उसे रोका जाए, ट्रैफिक पुलिस द्वारा चेकिंग के नाम पर लोकल लोगों को परेशान ना किया जाये। आधार कार्ड बनवाने के नाम पर जो अवैध वसूली चल रही है।

उस पर तुरंत अंकुश लगाये जाने के साथ है ही बंद पड़े चक मार्गों को खुलवाया जाए, अंश निर्धारण में आ रही कमियों को दूर किया जाये, विरासत चढ़ाने के नाम पर किसानों का जो उत्पीड़न किया जा रहा है उस पर रोक लगाई जाये।

ऐसी ही तमाम शिकायतों को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ता धरना देकर बैठ गये। उधर किसानों के बीच पहुंचे उपजिलाधिकारी आशुतोष जैसवाल ने किसानों की समस्याओं को सुना और उनका निश्तारण करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि हर पीड़ित तक न्याय पहुंचाना शासन प्रशासन की जिम्मेदारी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी डा अन्जनी कुमार चतुर्वेदी ने किसानों से कहा कि यदि आपकी समस्या जायज है तो उसका समाधान निश्चित रूप से करा दिया जाएगा आपकों दफ्तर के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के महेन्द्र सिंह प्रधान की अध्यक्षता में आयोजित धरना प्रदर्शन में कुलदीप सिंह, दिनेश सिंह, राहुल चौधरी, मुनिंदर सिंह, चौधरी बलजीत सिंह, दिग्विजय सिंह, डॉ धर्मवीर सिंह चौहान, देवराज सिंह चौहान, आबिद मिर्जा, गफ्फार अहमद, विवेक बालियान, नरदेव सिंह, रईसू प्रधान, गुर सेवक सिंह, निपेंद्र सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद रहे।

डिंपल यादव पर अभद्र टिप्पणी का विरोध, सपा महिला सभा ने सौंपा ज्ञापन

मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ FIR की मांग

एनसीआर टुडे. बिजनौर

समाजवादी पार्टी महिला सभा ने मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में कड़ा रुख अपनाया है। सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष प्रभा चौधरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट और सीओ सिटी राकेश विशिष्ट को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग की गई है। महिला सभा का कहना है कि मौलाना द्वारा सार्वजनिक मंच पर की गई अशोभनीय टिप्पणी न केवल एक सम्मानित सांसद का अपमान है, बल्कि समश्त महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है।

प्रभा चौधरी ने कहा, 'डिंपल यादव जी करोड़ों महिलाओं की प्रेरणा हैं। उनकी गरिमा पर हमला समश्त महिला समाज का अपमान है। हमारी मांग है कि दोषी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई हो।'

ज्ञापन में इस टिप्पणी को महिलाओं के प्रति दुर्भावना और असम्मान फैलाने की नीयत से की गई हरकत बताया गया है। इसे भारतीय संविधान, महिला सम्मान और विधि व्यवस्था का खुला उल्लंघन करार दिया गया है।

इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन, पूर्व मंत्री मूलचंद चौहान, डां रहमान, महमूद कस्सार, राधा सैनी, कमलेश भुईयार, विमलेश चौधरी,सीता चौधरी,श्लोक पवार, शांति यादव,लाल सिंह कश्यप, और अहमद खिजर खान सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं मौजूद थे।

प्रतिनिधि मंडल में प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि यह मामला न केवल एक महिला सांसद के सम्मान से जुड़ा है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द की रक्षा का भी सवाल है

सुसराल वालों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज महिला ने दी तहरीर

एनसीआर टुडे. स्योहारा

वकीला पुत्री रईसुद्दीन निवासी मोहल्ला अफगानान कस्बा सहसपुर ने पुलिस में तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 12 दिसंबर 2020 को शहबाज पुत्र सिराजुद्दीन निवासी मकान न-ळ88 गली नंबर 1-4 पुराना मुश्तफाबाद बेकरी के पीछे थाना दयालपुर 94 दिल्ली के साथ मुस्लिम रीती रिवाज के अनुसार हुयी थी।

शादी के बाद से ही उसके ससुराल वाले पति शहबाज, देवर साजिद, दिलशाद व सास जैबुनिसा, नन्द शबाना व खलेरा देवर करीम पुत्र जलालुद्दीन दान दहेज से नाखुश थे। महिला से दहेज में एक प्लाट की मांग करते आ रहे है। मांग पूरी ना होने पर ये लोग आये दिन उसके साथ गाली गलौच कर मारपीट करते आ रहे है। महिला का आरोप है कि उक्त लोग उसको मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते आ रहे है। इसी मध्य महिला गर्भवती हुयी तो गर्भावस्था में भी उसके साथ गर्भपात कारित करने के उद्देश्य से बुरी तरह मारा पिटा जिससे उसका बच्चा पेट में ही मर गया था। महिला बच्चें को लेकर काफी समय तक सदमे में रही और उक्त लोग समझौते का आश्वासन देते रहे और अपनी प्लाट की मांग दोहराने लगे और उपरोक्त लोगो ने चार साल पहले महिला को मारपीट करके घर से निकाल दिया। तब से महिला अपने मायके में रह रही है और आरोपित दूसरी शादी की बात करता है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की पुष्टि की है।

अलंकरण समारोह का आयोजन

एनसीआर टुडे. नहटौर। वीके इंटरनेशनल स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा अंजलि को हेड गर्ल तथा जतिन कुमार को हेड बॉय चुना गया। वहीं वंश शर्मा तथा रुकैया परवीन को अनुशासन प्रभारी, हरमन गहलोत तथा साइना सिंह को स्पोर्ट्स कैप्टन, एलिशबा नाज तथा युमन फातिमा को प्रीफेक्टस चुना गया। इसके अलावा रिया सिंह तथा वासु सैनी को टेरा हाउस, अल्फिशा परवीन तथा मोहम्मद जैद को इग्निस हाउस, वैष्णवी सिंह तथा मोहम्मद अरमान को एक्वा हाउस, आरना अग्रवाल तथा कक्षा तनुष प्रताप सिंह को एरिया हाउस का कैप्टन चुना गया। साथ ही तरमनदीप कौर तथा शुभ लांबा को टेरा हाउस, चेतना त्यागी तथा मनु डवास को इग्निस हाउस, हंसिका सिंह तथा शुभ चौधरी को एक्वा हाउस, प्रांजल जैन तथा चैतन्य जैन को एरिया हाउस का वाईस कैप्टन चुना गया। सभी चयनित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। स्कूल एमडी शिल्पी कुमार अग्रवाल, प्रधानाचार्या प्रेरणा चौधरी, समाना नकवी, मयूर सैनी, रूपम शर्मा, दीपक कुमार शर्मा, आशु सैनी, अंजुल कुमार राजपूत, साइका आदि उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/e Tender Notice/NIT-40-25-26-W-II **दिनांक: 30.07.2025**

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

1	NIT -40	**कार्य का नाम** : वरिष्ठ मंडल अभियंता–II/ दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता शामली के अधीन LHS No.6, 9, 11, 12, 14, 16, 17, 20, 21, 22A, 23, 24, 26, 27, 29, 30, 31, 33, 34, 35, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 45, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 74, 75, 80, 81, 82, 83, 84, 85A, 85B, 86, 87, 88 = 55 क्रोस ड्रैन, संप व सौक पीट का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** :– 21318572.10 **बयाना राशि (रुपये)** :– 256600.00
2	निविदा खोलने की तिथि और समय	26.08.2025 15:00 hrs.
3	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलबध है।

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2328/25

संपादकीय

अपने अपमान की महिलायें स्वयं ज़म्मिदार

हमारे देश में अनेकानेक स्वयंभू संत, प्रवचनकर्ता, ज्योतिषी व धर्मगुरु टी वी स्क्रीन की 'शोभा' बढ़ा हैं। ऐसे कई स्वयंभू संत व प्रवचनकर्ता जब कैमरे के सामने 'प्रकट' होते हैं तो उनका साज श्रृंगार, मेकअप उनकी निराली अदाएं सब कुछ देखने लायक़ होती हैं।

ऐसे ही एक 'कथावाचक' व आध्यात्मिक गुरु कहे जाने वाले अनिरुद्धाचार्य का नाम अक्सर किसी न किसी विवाद को लेकर चर्चा में रहता है। रुपहले पर्दे पर नज़र आने का शौक़ रखने वाले अनिरुद्धाचार्य लाफ़्टर शेफ़्स में एक अतिथि के रूप में देखे जा चुके हैं। वे बिग बॉस 18 में शो के ग्रैंड प्रीमियर के दौरान अतिथि के रूप में भी शोभायमान हो चुके हैं। परन्तु वे अपनी कई टिप्पणियों व अंधविश्वास पूर्ण बातों के लिये विवादों में भी रह चुके हैं।

कभी कभी शब्दों को तोड़मरोड़कर पेश करने के लिये भी वे हास्य का पर्याय बन चुके हैं। जैसे उन्होंने बिस्किट को 'विष -की-किट' यानी ज़हर का पैकेट परिभाषित कर दिया। तो कभी पीज़्ज़ा में पड़ने वाले चीज़ (पनीर) को गोंद कहकर उसका मज़ाक़ उड़ाते सुने गये। एक बार उन्होंने यह भी कहा था कि- 'महिलाओं को पीछे की ओर नहीं सोना चाहिए क्योंकि इससे उनके श्तन अशुद्ध हो जाएंगे'।

एक बार एक टी वी शो के दौरान उन्हें कुछ तार्किक व वैज्ञानिक सोच रखने वाले कुछ शिक्षित लोगों का सामना करना पड़ा। उस समय टी वी एंकर द्वारा उन्हें उनके प्रवचन का वह अंश याद दिलाया गया जिसमें उन्होंने यह कहा था कि गाय के गोबर में से गेंहू चुनचुन कर निकालकर उस गेंहू का पिसा आटा खाने से पुत्र रत्न प्राप्त होता है?

परन्तु पिछले दिनों अपने एक तथाकथित 'प्रवचन' में तो अनिरुद्धाचार्य ने महिलाओं का अपमान करने की सभी सीमायें पार कर दीं। यही महिलाएं जो ऐसे स्वयंभू संतों व प्रवचन कर्ताओं का प्रवचन शुरू होने से पहले सज संवरकर, अपने सिरों पर भारी क्लश रखकर शहर में संतों व प्रवचन कर्ताओं की शोभा यात्रा निकालकर नगर में इनके प्रवचन में भीड़ जुटाने के लिये माहौल तैय्यार करती हैं। यही महिलायें जो इनके प्रवचन में कभी तालियां बजाकर तो कभी नृत्य कर कभी अपने दोनों हाथ ऊपर उठाकर झूम झूम कर इनके समागम में समां बांधती हैं।

यहीं महिलायें जो इनके प्रवचन सुनाने अपने पति व अन्य पड़ोसियों को भी साथ लाती हैं। जो इन्हें दान देती हैं, जो रोज़ सुबह मंदिरों में सबसे पहले पहुँचती हैं। जो महिलायें श्रद्धा पूर्वक मंदिरों व आश्रमों में सेवा करती हैं। इन्हें महिलाओं व उनकी पुत्रियों को लेकर जिस तरह के विकार पिछले दिनों अनिरुद्धाचार्य के मुख से निकले उसने न केवल आम लोगों को बल्कि स्वयं इनके भक्तों को भी आश्चर्य चकित कर दिया। जो शब्द उन्होंने महिलाओं के लिए इश्तेमाल किये शायद इससे अधिक घटिया शब्दों का चयन हो भी नहीं सकता है।

उन्होंने अपने एक प्रवचन के दौरान कुंवारी लड़कियों की शादी की उम्र को लेकर अत्यंत विवादित व आपत्तिजनक बयान दे डाला। उन्होंने कहा कि 'लोग विवाह के लिये लड़की लाते हैं पच्चीस साल की। अब 25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होती है। सब नहीं पर बहुत, और वह पच्चीस साल की जब आती है तो पूरी जवान होकर आती है। जब जवान हो कर आएगी तो स्वाभाविक है कि वह अपनी जवानी कहीं न कहीं वह, उसकी जवानी फिसल जाएगी'।

साथ ही उन्होंने 14 साल की उम्र में लड़की की शादी को जायज़ ठहराया। ग़ौर तलब है कि भारत में बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत इस उम्र में शादी अवैध है। इस बयान के बाद तो गोया पूरे देश में भूचाल सा आ गया। मथुरा में भी महिलाएं व अन्य संगठनों ने इनके विरुद्ध प्रदर्शन किया। जगह जगह उनके पुतले फूंके गये। कई जगह से उनके विरुद्ध महिला संगठनों द्वारा एफ़ आई आर करने की ख़बरें सुनीं गयीं।

उधर एक बार फर इस विवादित बयान को लेकर भी टी आर पी की दौड़ में जुटे मीडिया समूहों को मसाला ख़बरें बेचने की सामग्री हासिल हो गयी। अनिरुद्धाचार्य ने अपने बयान को लेकर उपजे विवाद व हंगामे के बाद एक वीडियो जारी कर यह कहा है कि 'मेरी कुछ बहनें प्रसारित हो रहे वीडियो से आहत हैं। कहना चाहता हूं कि कुछ लड़कियां ऐसी होती हैं कि लिव इन में रहकर चार जगह मुंह मार के किसी के घर जाएंगी, तो क्या वे किसी रिश्ते को निभा पाएंगी। इसलिए लड़की हो या फिर लड़का दोनों को चरित्रवान होना चाहिए। ' यह कहकर मुआफ़ी मांगनी तो क्या उन्होंने अपनी 'चार जगह मुंह मारने ' जैसी सड़क छाप 'भाषा शैली ' का फिर से इश्तेमाल किया। शायद वे सोच रहे हों कि बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम न होगा?

ज़रा सोचिये कि किरण बेदी व कल्पना चावला के देश में जहाँ लड़कियां चाँद पर पहुँचने की होड़ में लगी हुई हैं। जिस देश में प्रतिभावान युवतियां सिविल सेवाओं में व डॉक्टर इंजीनियर व उद्यमी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जहाँ सेनाओं में उच्च पदों पर अपनी सेवाएं देकर देश का गौरव बढ़ा रही हों, उस देश की महिलाओं को यह अशिक्षित रहकर शिक्षा ग्रहण करने की उम्र में शादी रचाने की सलाह देते हैं।

गोया एक अनपढ़ मां की परिकल्पना को साकार करने की कोशिश करते हैं? रहा सवाल चार जगह मुंह मारने का तो यह देश का दुर्भाग्य है कि इसी भारतीय समाज में कुछ कुसंस्कारी लोग सभी क्षेत्रों व समाज के सभी वर्गों में हैं जो मुंह मारते रहते हैं। चाहे वह संत समाज ही क्यों हो। जहाँ आज अनेक चरित्रवान त्यागी परोपकारी व धर्मात्मा संत धर्म की रक्षा में लगे हैं वहीँ कुछ 'मुंह मारने ' वाले जेल की सज़ा भी भुगत रहे हैं। कभी कोई संत औरतों को 5-10 बच्चे पैदा करने की सलाह देता है। गोया आसमान की बुलंदी को छूने वाली महिलायें इन जैसों की नज़रों में केवल बाल विवाह सामग्री व बच्चे पैदा करने की मशीन मात्र रह गयी हैं? कहना ग़लत नहीं होगा कि महिलाओं के प्रति ऐसी विकृत मानसिकता रखने वाले स्वयंभू संतों की भक्ति में डूबी महिलायें स्वयं ही अपने अपमान की ज़म्मिदार हैं।

मनसा देवी हादसा: मौतों का जिम्मेवार कौन एक यक्ष प्रश्न?

नरेंद्र भारती

एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए 27 जुलाई रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 के लगभग घायल हो गए। मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ। मंदिर से करीब 50 मीटर पहले सीढ़ीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ है। यहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी।

29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गई थी और काफ़ी लोग घायल हुए थे। 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई थी और बहुत लोग घायल हो गए थे। 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे।

भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफ़ी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गईं। रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी।

देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फ़रवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे। रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।

ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण 33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता।

देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याएं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था।

कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पड़ा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं, बच्चे व बुज़ुर्ग पैरों तले कुचल दिए गए, लोग बदहवास होकर अपनों को ढूंढ रहे थे। मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे। चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी।

प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फ़रवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी।

1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे। 2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।

नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे। झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।

3 अगश्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे।

नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है। प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं।

इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया। ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए।

मंदिरो में हर वर्ष करोडो रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए।

ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें। वक़्त अभी संभलने का है।

'डिजिटल इंडिया' से 'डिजिटल असमानता' तक: क्या सबको मिल रहा है बराबरी का लाभ?

डॉ. शैलेश शुक्ला

जब 1 जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया का उद्घोष किया था, तब देश ने उम्मीद की थी कि तकनीक के इस अभियान से गाँव-गाँव, जन-जन तक समान अवसर पहुंचेगा।

यह एक ऐसा सपना था जिसमें एक किसान, एक छात्रा, एक मजदूर, एक शिक्षक और एक बुजुर्ग- डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से सभी को समान रूप से सशक्त बनाया जाएगा. लेकिन आज, एक दशक के करीब खड़े होकर यदि हम पीछे मुड़कर देखें, तो तस्वीर उतनी उजली नहीं दिखती जितनी प्रचारित की गई।

डिजिटल इंडिया की रोशनी भले ही महानगरों में दमक रही हो, लेकिन उसी रोशनी की छाया में भारत का एक बड़ा हिस्सा डिजिटल अंधकार में डूबा हुआ है।

सवाल यह नहीं है कि भारत डिजिटल हो रहा है या नहीं; सवाल यह है कि यह परिवर्तन सबको समान रूप से सशक्त बना रहा है या कुछ को और अधिक शक्तिशाली तथा अन्य को और भी वंचित? डिजिटल इंडिया का मूल उद्देश्य था-नागरिक सेवाओं की डिजिटल पहुंच, डिजिटली साक्षर समाज का निर्माण, इंटरनेट के माध्यम से शासन की पारदर्शिता और रोजगार के नए अवसरों का सृजन। इसमें भारतनेट परियोजना, डिजिटल लॉकर, उमंग ऐप, डिजीलॉकर, डिजिटल भुगतान, आधार आधारित सेवाएँ और ग्रामीण क्षेत्रों में सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) जैसे उपायों को बल मिला। भारत आज विश्व के सबसे बड़े डेटा उपभोक्ताओं में है।

यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या प्रतिदिन करोड़ों में है। सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता भी बढ़ी है। लेकिन इन आँकड़ों के पीछे जो असली कहानी छुपी है, वह है डिजिटल डिवाइड यानी डिजिटल असमानता की। नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण भारत में मात्र 15% परिवारों के पास ही इंटरनेट की सुविधा है। इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 42% तक जाती है। लेकिन इंटरनेट सुविधा केवल मौजूद होना ही पर्याप्त नहीं; सवाल यह भी है कि क्या उपयोगकर्ता के पास आवश्यक डिवाइस, डिजिटल साक्षरता और आर्थिक सामर्थ्य है कि वह उस सुविधा का सही उपयोग कर सके? 2021 में ऑक्सफैम इंडिया की एक रिपोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि केवल 8% ग्रामीण भारतीय ही डिजिटल सेवाओं का सुचारु उपयोग कर पाते हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब शिक्षण पूरी तरह से ऑनलाइन हो गया, तब डिजिटल इंडिया के स्वप्न का कड़वा यथार्थ सामने आया। देश के लाखों छात्र ऐसे थे जो स्मार्टफोन, लैपटॉप या इंटरनेट की अनुपलब्धता के कारण शिक्षा से वंचित रह गए। एक तरफ दिल्ली, मुंबई, चेन्नई जैसे शहरों में छात्र हाई-स्पीड इंटरनेट के साथ वर्चुअल क्लासेज़ से जुड़े रहे, वहीं दूसरी तरफ बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में विद्यार्थी रेडियो या ब्लैकबोर्ड तक सीमित रह गए। कई मामलों में एक ही घर में दो या तीन बच्चों को एक ही मोबाइल से पढ़ाई करनी पड़ी। क्या इसे हम डिजिटल समावेशीकरण कहेंगे या डिजिटल बहिष्करण?

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने रोजगार और व्यवसाय के नए आयाम खोल दिए हैं- फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन मार्केटप्लेस, डिजिटल कंटेंट, ऐप्स और सोशल मीडिया आधारित आय। लेकिन ये अवसर केवल उन्हीं के लिए सुलभ हैं जिनके पास इंटरनेट की गति, डिवाइस की सुविधा और डिजिटल कौशल है। देश की बड़ी जनसंख्या अब भी पारंपरिक रोजगारों और श्रम आधारित कार्यों पर निर्भर है। जब मनरेगा जैसी योजनाएँ भी एप आधारित उपस्थिति पर केंद्रित हो जाती हैं, तब एक अशिक्षित मज़दूर या तकनीकी जानकारी से वंचित महिला कैसे अपने अधिकारों को हासिल कर पाएगी? सरकार के डिजिटल पोर्टल्स का जाल अगर स्थानीय भाषा, तकनीकी सहायता और यूज़र फ्रेंडली सिस्टम के अभाव में है, तो यह सुविधा नहीं, बल्कि बाधा बन जाती है।

डिजिटल इंडिया का एक और अंधकारमय पहलू है-भाषायी और वर्गीय असमानता। भारत में अधिकांश डिजिटल सामग्री अंग्रेज़ी और कुछ चुनिंदा भारतीय भाषाओं तक ही सीमित है। हिंदी भाषी क्षेत्रों में भी प्रशासनिक ऐप्स अंग्रेज़ी-प्रधान हैं, जिससे स्थानीय उपयोगकर्ताओं को कठिनाई होती है। डिजिटल असमानता केवल इंटरनेट की अनुपलब्धता तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और वर्ग आधारित समस्या भी बन चुकी है। एक ओर तकनीकी कंपनियों के पास बहुभाषीय सॉफ्टवेयर की क्षमता है, दूसरी ओर सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन भाषा और डिजिटल समावेशन को दरकिनार करता नजर आता है।

सरकार ने डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं-जैसे प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीडीआईएसएचए), भारतनेट के तहत गाँवों में फाइबर नेटवर्क बिछाने का कार्य, सीएससी के माध्यम से ग्राम शतरीय सेवाएं प्रदान करने का प्रयास और युवाओं के लिए कोडिंग-प्रशिक्षण की पहलें।

इन योजनाओं का उद्देश्य हर नागरिक तक तकनीक की पहुँच और उसका न्यायसंगत लाभ पहुंचाना रहा है। लेकिन ये प्रयास अक्सर भ्रष्टाचार, अव्यवस्था, स्थानीय श्तर पर प्रशिक्षण की कमी और संसाधनों की असमान उपलब्धता के कारण विफल होते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कई गाँवों में सीएससी सेंटर केवल कागज़ों पर ही संचालित हैं, या उन्हें प्रभावी प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता नहीं मिलती, जिससे वे जनता तक सेवाएं पहुंचाने में अक्षम हो जाते हैं।

दूसरी ओर, भारतनेट की परियोजना कई बार समयसीमा से पीछे रह गई है। वर्ष 2023 के अंत तक देश के सभी 2.5 लाख ग्राम पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित था, लेकिन सरकार की ही रिपोर्ट के अनुसार 50% से कम पंचायतें पूरी तरह कनेक्ट हो सकीं। कहीं तकनीकी बाधाएं थीं, कहीं ठेकेदारों की उदासीनता, तो कहीं प्रशासनिक ढीलापन।

ऐसे में डिजिटल इंडिया का ढांचा अधूरा रह जाता है और जो सपना समान अवसरों का था, वह वर्गभेद और क्षेत्रभेद के गड्ढों में गिरता चला जाता है।

तकनीक कोई जादू की छड़ी नहीं है और ना ही यह अपने आप समावेशी बन जाती है। उसे समावेशी बनाने के लिए नीतिगत प्रतिबद्धता, सामाजिक-सांस्कृतिक समझ और जमीनी हकीकत से मेल खाते उपायों की ज़रूरत होती है। डिजिटल इंडिया की सबसे बड़ी विफलता यही है कि इसमें तकनीक को उद्देश्य मान लिया गया, साधन नहीं। उदाहरण के लिए, जब बायोमेट्रिक आधारित राशन वितरण प्रणाली शुरू की गई, तब लाखों लोगों को राशन इसलिए नहीं मिल पाया क्योंकि उनके अंगूठे की स्कैनिंग विफल हो गई या नेटवर्क उपलब्ध नहीं था। राजस्थान, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में ऐसे दर्जनों मामले दर्ज किए गए हैं जहाँ तकनीकी विफलताओं के कारण गरीबों को भूखा रहना पड़ा। यह डिजिटल असमानता नहीं, बल्कि डिजिटल अन्याय की स्थिति है।

इन विफलताओं का सबसे बड़ा प्रभाव उन समुदायों पर पड़ता है जो पहले से ही सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित हैं-आदिवासी, दलित, महिलाएं, अशिक्षित जनसंख्या और ग्रामीण मजदूर वर्ग। जब सरकार सारी सेवाएं डिजिटल-फर्स्ट कर देती है और ऑनग्राउंड विकल्पों को समाप्त कर देती है, तो यह वंचित वर्गों को और भी पीछे धकेल देता है। इस सूरत में तकनीक सशक्तिकरण का नहीं, बल्कि दमन और वंचना का माध्यम बन जाती है।

आज भारत वाश्तव में दो डिजिटल देशों में विभाजित है। एक ओर वे महानगरीय केंद्र हैं जहाँ युवा हाई-स्पीड इंटरनेट पर स्टार्टअप चला रहे हैं, डिज़ाइनिंग, प्रोग्रामिंग, एनएफटी और एआई जैसे आधुनिक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, एक ग्रामीण भारत है जहाँ लोगों को बैंक खाता देखने के लिए 15 किलोमीटर दूर साइबर कैफे जाना पड़ता है, जहाँ किसान के पास इतना डाटा नहीं कि वह मौसम की सटीक जानकारी ले सके और जहाँ एक माँ अपने बच्चे का आधार नंबर लिंक नहीं करवा पाती क्योंकि सीएससी सेंटर हफ्तों से बंद है। यह डिजिटल असमानता केवल तकनीकी या आर्थिक नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक असमानता भी है-जिसमें वंचित वर्ग को बार-बार यह आभास होता है कि यह नया भारत उसके लिए नहीं बना है।

यदि वाश्तव में भारत को एक समावेशी डिजिटल राष्ट्र बनाना है, तो कुछ बुनियादी सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, डिजिटल शिक्षा को प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक एक अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए-ताकि बच्चों को शुरू से ही तकनीक की समझ हो और वे महज़ उपभोक्ता नहीं, निर्माता बन सकें। दूसरा, सरकार को डिजिटल सेवाओं में बहुभाषी इंटरफ़ेस देना चाहिए ताकि हर नागरिक अपनी मातृभाषा में सेवाओं का उपयोग कर सके। तीसरा, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की गति, बिजली की उपलब्धता और डिजिटल डिवाइस की सब्सिडी जैसे उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। चौथा, महिला डिजिटल साक्षरता को स्वतंत्र रूप से बढ़ावा देना होगा, क्योंकि घरों में अक्सर तकनीकी संसाधनों तक महिलाओं की पहुँच सीमित रहती है।

पाँचवाँ और सबसे ज़रूरी, यह आवश्यक है कि किसी भी डिजिटल योजना के साथ ऑफलाइन विकल्प भी हमेशा मौजूद रहें-ताकि जो लोग तकनीक से दूर हैं, उन्हें अपने अधिकारों से वंचित न होना पड़े। उदाहरणस्वरूप, यदि किसी बुज़ुर्ग को डिजिटल हेल्थ कार्ड नहीं मिला है, तो उसका उपचार रुकना नहीं चाहिए।

डिजिटल इंडिया एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन इसका मूल्यांकन केवल एप्स, ट्रांजैक्शन और ऑप्टिकल फाइबर से नहीं होना चाहिए, बल्कि इससे इस बात को आँकना चाहिए कि क्या यह वाशतव में उस गरीब महिला, उस किसान, उस मजदूर और उस छोटे दुकानदार के जीवन को बेहतर बना पाया या नहीं। यदि डिजिटल तकनीक केवल अमीरों की सहूलियत और कंपनियों के विश्तार का माध्यम बन जाए और गरीबों के लिए यह और भी जटिलता और वंचना पैदा करे, तो यह न केवल असफलता है, बल्कि लोकतंत्र के मूल मूल्य-समानता और न्याय-का उल्लंघन भी है।

डिजिटल इंडिया का सपना तभी पूरा होगा जब इसके लाभ केवल दिल्ली और मुंबई के एयरकंडीशन्ड ऑफिसों तक सीमित न रह जाएँ, बल्कि उत्तराखंड के पहाड़ों, झारखंड के जंगलों और बुंदेलखंड के सूखे गाँवों तक उसी ताकत और अधिकार से पहुँचें। तकनीक एक साधन है, उद्देश्य नहीं। यदि यह साधन न्याय और समानता के मार्ग पर नहीं ले जाता, तो फिर उसे विकास कहना स्वयं एक छलावा बन जाता है।

भारतीय दर्शन को अपनाकर वैश्विक समस्याओं का हल निकाल सकता हैं ट्रम्प प्रशासन

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक श्तर पर आज की आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्राचीन आर्थिक दर्शन संभवतः आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है। अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश, अपने अहंकार के मद में, जब अपने पड़ौसी देशों एवं हितचिंतक देशों के साथ ही अन्य अविकसित एवं विकासशील देशों को भी नहीं बक्श रहा है एवं इन देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ का डंडा चला रहा है, तब भारतीय आर्थिक दर्शन की "वसुधैव कुटुंबकम", "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय" एवं "सर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामयाः" जैसी नीतियों की याद सहज रूप से ही आ जाती है।

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, अर्थ का अर्जन करना बुरी बात नहीं है परंतु इसका धर्म के अनुसार उपयोग नहीं करना बुरी बात है। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान नीतियों से स्पष्ट झलकता है कि अथाह मात्रा में इकट्ठे किए गए धन का उपयोग विश्व के अन्य देशों को डराने धमकाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका आज कई देशों पर दबाव बनाता हुआ दिख रहा है कि यदि किसी देश ने उसकी शर्तों के अनुरूप अमेरिका के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौता नहीं किया तो उस देश से होने वाले वश्तुओं के अमेरिका में आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाया जाएगा।

यह सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्व के कई देश विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े हैं और आज यह सम्पन्न देशों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इन देशों के नागरिकों को भौतिक सुख की प्राप्ति तो हुई है परंतु उनके जीवन में मानसिक सुख का पूर्णतः अभाव है। अतः इनके जीवन में संतोष का अभाव है और यह लोग कुंठा की भावना में बहते हुए कुछ इस प्रकार के निर्णय ले रहे हैं जिससे समाज के अन्य लोगों का अहित हो रहा है।

पश्चिमी देशों में पूंजीवादी नीतियों के चलते कुछ लोग केवल अपने आर्थिक विकास की ओर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, समाज के अन्य नागरिकों की स्थिति कैसी है, इस बात पर उनका ध्यान बिलकुल नहीं है। अपने को अधिक धनवान बनाने की प्रक्रिया में वे अपने ही समाज के नागरिकों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। आज अमेरिका की स्थिति भी लगभग यही है।

आज वह पूरे विश्व की चौधराहट प्राप्त करने के प्रयास में कुछ इस प्रकार की नीतियों का अनुपालन करता हुआ दिखाई दे रहा है जो अन्य देशों का नुक्सान कर सकती हैं। परंतु, अन्य देशों को होने वाले नुक्सान के प्रति अमेरिका आज पूर्णतः अनजान सा बना हुआ है। पूरे विश्व की आर्थिक स्थिति डावांडोल होती हुई दिखाई दे रही है। यह सब तब हो रहा है जब विश्व की बहुत बड़ी संख्या में नागरिक भूख, गरीबी एवं बेकारी से त्रश्त है। समाज का एक वर्ग अमीर से और अधिक अमीर हो रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग गरीब से और अधिक गरीब हो रहा है।

आय की असमानता की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। कुल मिलाकर अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देशों के नागरिक आज अपनी आर्थिक तरक्की से संतुष्ट नहीं है एवं भौतिक सुख होने के बावजूद मानसिक बीमारियों से ग्रश्त नजर आ रहे हैं।

हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार मनुष्य का इस धरा पर जन्म, परेशनियां झेलने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि, इस मानव जीवन को समस्याओं रहित बनाकर, शांतिपूर्ण तरीके से जीने के लिए हुआ है। आज विभिन्न देशों के नागरिक खाने पीने की वश्तुओं, अच्छे वस्त्रों, बड़े एवं सुविधाजनक निवास स्थान, मनोविनोद के साधनों में वृद्धि, वासना की वृद्धि एवं वासना की संतुष्टि के लिए विभिन्न साधनों में वृद्धि, सुख के लिए उपभोग में वृद्धि जैसे कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए है। जैसे इस धरा पर जीवन जीने का लक्ष्य यही है। इच्छाओं की पूर्ति सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति होती है तो दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यह पूंजीवाद में निहित पश्चिमी विचार है।

इस धारणा को और अधिक स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) कहते हैं कि "पश्चिम के सुख की अवधारणा पूर्णतया प्रकृति जन्य इच्छाओं की संतुष्टि पर केंद्रित है, अतः उनके जीवन श्तर को उठाने का अर्थ भी केवल भौतिक आनंद की वश्तुओं को अधिकाधिक जुटाना है।

इससे व्यक्ति अन्य विचारों एवं एषणाओं को छोड़कर केवल इसी में पूर्णतया संलग्न हो जाता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति की इच्छा धन संग्रह को जन्म देती है। अधिकाधिक धन प्राप्ति हेतु शक्ति आवश्यक हो जाती है; किंतु भौतिक सुख की अतृप्त क्षुधा व्यक्ति को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं तक ही नहीं रुकने देती। सबल राष्ट्र, राज्य शक्ति के आधार पर दूसरों के दमन व शोषण का भी प्रयास करते हैं। इसमें से संघर्ष व विनाश का जन्म होता है। एक बार यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई कि समाप्त होने का नाम ही नहीं लेती।

सभी नैतिक बंधन विच्छिन हो जाते हैं। सामान्य मानवीय संवेदनायें सूख जाती हैं। मनुष्य और पशु में अंतर स्थापित करने वाले मूल्य एवं गुण समाप्त हो जाते हैं। " हालांकि उक्त विचार आज से लगभग 65/70 वर्ष पूर्व व्यक्त किए गए थे परंतु यह आज अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए हैं। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुक्सान हों परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीओं के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए।

भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है।

अर्थ के अधिक मात्रा में अर्जन पर हालांकि किसी प्रकार का निषेध नहीं है परंतु अर्थ के उपभोग पर जरूर कुछ सीमाएं निर्धारित हैं। अर्थ का उपयोग स्वयं की सुख प्राप्ति के लिए उपभोग करने के उपरांत परिवार, समाज, धर्म की रक्षा, संस्कृति के विश्तार, भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत, आदि के लिए करना आवश्यक माना गया है। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार तो अर्थ का उपभोग केवल एवं केवल स्वयं के लिए किया जाता है एवं येन केन प्रकारेण व्यक्ति द्वारा इसकी वृद्धि हेतु प्रयास किए जाते हैं।

सुख को तो अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। बाहरी भौतिक आवरण पहनकर सुख की प्राप्ति सम्भव नहीं है। इसी संदर्भ में श्री गुरुजी कहते हैं कि "सब बातों का विचार हमारे पूर्वजों ने भी किया था। समय पर वर्षा होना चाहिए, पृथ्वी पर धन धान्य की समृद्धि रहना चाहिए, समाज को ऐच्छिक सुख समृद्धि की प्राप्ति होना चाहिए, कोई भी दुखी न रहे - ऐसी प्रार्थना उन्होंने की है, परंतु उस समय भी उनको अनुभव हुआ कि मनुष्य केवल वासनाओं का पुतला नहीं है। वासनाओं की तुष्टि कुछ समय के लिए आनंद देती हैं, किंतु हमेशा के लिए वह आनंद नहीं दे सकती। मनुष्य तो ऐसा सुख चाहता है, जो कभी क्षीण न हो, उसमें कभी बाधा न आ सके, व्यत्यय न आ सके, यानी वह अबाधित, नित्य सुरक्षित और चिरकालिक सुख की कामना करता है"।

उक्त विचार को आगे बढ़ाते हुए श्री गुरुजी कहते हैं कि "अपनी भारतीय प्रणाली में जिसे अर्थशास्त्र कहते हैं, उसमें आज जैसा केवल आर्थिक पहलू मात्र नहीं था। हमारे यहां अर्थशास्त्र का ही दूसरा नाम नीतिशास्त्र था। आज हमें अपने सिद्धांतों के आधार पर मौलिक चिंतन करना चाहिए।

हम दुनिया भर के विचार प्रवाहों को परखेंगे तथा अपनी स्वतंत्र मौलिक राष्ट्रीय चिंतनधारा के अनुरूप अपना राश्ता अपनाएंगे। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी जी ने अपने जीवन काल में संपत्ति के विकेंद्रीकरण के लिए ट्रस्टीशिप का मार्ग प्रतिपादित किया। उनके इस ट्रस्टीशिप के विचार में माना गया है कि मनुष्य के उत्पादन सामर्थ्य में कोई कमी करने की जरूरत नहीं जीविका के साधनों द्वारा जितना चाहे, उसे उत्पादन करने दो, परंतु संग्रह का वह अधिकारी नहीं है। जीविका के साधनों का प्रयोग करने पर जो संपत्ति एकत्रित होती है, वह समाज की है, अपने उपभोग बढ़ाने के लिए नहीं। वह सम्पत्ति उसने समाज को दे देनी चाहिए। "

इस धरा पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुख

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

सीएम बोले- 2017 के पहले चीन के माल से पटा पड़ा था यूपी का बाजार, अब ओडीओपी के उत्पाद ज्यादा

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले यूपी का बाजार त्योहारों पर चीन के सामान से पटा हुआ था। आज चीन के उत्पाद से ज्यादा ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) का उत्पाद बिक रहा है। 2017 के पहले भी प्रदेश में ओडीओपी बड़े पैमाने पर थे लेकिन तब उस समय की सरकारें नहीं समझ पाई क्योंकि उनके लिए परिवारवाद ही सर्वोपरि था। वो लोग लगातार प्रदेश के एमएसएमई उद्योगों को बंद करने की साजिश का हिस्सा बन गए थे पर अब सरकार युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए मदद कर रही है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित युवा कॉन्क्लेव में कही।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना अब युवाओं के लिए जॉब लेने नहीं बल्कि देने का माध्यम बन गई है। सक्सेस स्टोरी सुनकर बहुत अच्छा महसूस हुआ। एक ऐसी स्कीम जिसका ब्याज और गारंटी सरकार दे रही है। दस फीसदी मार्जिन मनी का लाभ भी सरकार दे रही है। इसी का परिणाम है कि 2751 करोड़ रुपए 68000 युवाओं को दिए गए। ये यूपी की पोटेंशियल है। ऐसे लाखों युवा यूपी में हैं, जो अलग अलग सेक्टर में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्विद्यालय टापू जैसा बन गए। उन्हें स्टेट और सेंट्रल की योजनाओं की जानकारी नहीं होती। वहां से निकला युवा चौराहे पर खड़ा होकर असमंजस में होता है कि फिर बिना जानकारी के लोन लेता है लेकिन ज्ञान न होने के कारण कर्ज के बोझ तले दब जाता है जिनके पास ज्ञान होता है, उनके पास पैसा नहीं होता। ऐसी सभी समस्याओं का समाधान सीएम युवा योजना है। विश्विद्यालय के साथ एमओयू इसीलिए किए गए हैं कि वहां पढ़ रहे बच्चों को राज्य और केंद्र योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके पहले सीएम योगी ने युवा कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया है। यह दो दिवसीय युवा कॉन्क्लेव प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खोलेगा। इसमें फ्रेंचाइजी, वित्तीय संस्थाएं, औद्योगिक ब्रांड्स, नीति निर्माता, प्रशिक्षक और निवेशक एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे। अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीएम युवा उद्यमी अभियान रोजगार को युवाओं से जोड़ने की परिकल्पना है। इसे एक साल पहले लॉन्च किया गया था जिसके इतने जबरदस्त रिस्पांस की उम्मीद नहीं थी। हम आज 150 नए आईडिया दे रहे हैं। ये सक्सेसफुल बिजनेस आइडिया हैं जो पांच लाख रुपए से शुरू किए जा सकते हैं। इस अभियान के तहत युवाओं को बिजनेस आइडिया से जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय को पहली बार जोड़ा गया है जिनके 1100 छात्र आज आए हैं। जो उद्यमी बनेंगे। रूफटॉप सोलर मेंटेनेंस उद्यम की भी शुरुआत आज से की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले एक साल में 10 लाख इंटरप्रेन्योर को पैदा करना है।

आयुक्त एवं निदेशक उद्योग के. विजयेंद्र पांडियन ने बताया कि इस कॉन्क्लेव को वन स्टॉप बिजनेस प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया है, जहां आइडिया से लेकर उद्यम शुरू करने तक की पूरी यात्रा को सरल बनाया गया है।

बीएचयू: सुरक्षा पर साल में 9.6 करोड़ खर्च, 700 सुरक्षाकर्मी, फिर भी एक साल में 300 चोरी, 15 छेड़खानी के मामले

वाराणसी , एजेंसी। बीएचयू कैंपस में चाक चौबंद सुरक्षा कागजों पर भले ही हो लेकिन हकीकत में कभी छात्रों के बीच मारपीट होती है तो कभी डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ पीटे जाते हैं। अब कला संकाय के प्रोफेसर पिटाई हुई है। इससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ऐसी स्थिति तब है जब बीएचयू कैंपस की सुरक्षा पर सालाना 9.60 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। 700 सुरक्षा कर्मी हैं। 80 किलोमीटर रेंज वाला वायरलेस सेट है। पेट्रोलिंग के लिए आठ छोटे-बड़े वाहन, एक व्रज वाहन, चीफ प्रॉक्टर और उनके साथ की 30 से ज्यादा की प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम है फिर भी सेंधमारी लगातार जारी है। शिक्षकों के मुताबिक, 2024 से 2025 के बीच बीएचयू परिसर में 300 से ज्यादा बार चोरी हो चुकी है। 15 से ज्यादा छेड़खानी और 100 से ज्यादा मारपीट के मामले सामने आए हैं।

विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा को अभेद्द रखने की दिशा में बड़े कदम उठाए जाने के दावे उस समय किए गए थे जब आईआईटी बीएचयू में छात्रा के साथ दुष्कर्म हुआ था। सीआईएसएफ की एक टीम ने 15 दिन तक सुरक्षा मानकों का अध्ययन किया था। अब तक दावा हवाई साबित हुआ है। धरना देने वाले शिक्षकों ने भी विवि की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े किए।

नशीला पदार्थ सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध नशीला पदार्थों की बिक्री व तस्करी करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पाली मुकीमपुर पुलिस ने एक शातिर अभियुक्त पुष्पेन्द्र पुत्र स्व. कमलेश शर्मा निवासी सिहावली थाना छर्रा जनपद अलीगढ को 1200 ग्राम गाँजा के साथ बिजौली छर्रा बार्डर पर बने यात्री शेड की दीवार के पास से गिरफ्तार किया। अभियुक्त गाँजा लाकर गाँजे की पुडिया बनाकर गाँव मे बेचकर अपना गुजारा चलाता है।

पारिवारिक मामलों में काउंसलिंग कर कराई सुलह

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

परिवार परामर्श केंद्र ने बुधवार को दो पारिवारिक मामलों में सफल काउंसलिंग कर आपसी सुलह कराई। पहला प्रकरण थाना बरला अलीगढ़ की रहने वाले किशोरी (परिवर्तित नाम) तथा राघवेंद्र (परिवर्तित नाम) एवं दूसरा प्रकरण थाना क्वार्सी के रहने वाले बब्बू खान की दो पुत्रियों आरिफा और सकीना (परिवर्तित नाम) व थाना जवां क्षेत्र के रहने वाले अरबाज और इरफान (परिवर्तित नाम) का था। दोनों प्रकरण में घरेलू कलह के चलते पति पत्नी अलग अलग रह रहे थे।

परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक शिखा त्यागी एवं काउंसलर डॉ. राजभारती, द्वारा की गई प्रभावी काउंसलिंग के परिणामस्वरूप आपसी मतभेद दूर हुए और परिवारों में पुनः सामंजस्य स्थापित हुआ तथा पति पत्नी के बीच आपसी रजामंदी से सुलह समझौता कराकर परिवारों को फिर से मिलाया।

अंबेडकर पार्क का बोर्ड गायब किया रोड जाम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना अकराबाद क्षेत्र के गांव शाहगढ़ में अंबेडकर पार्क के बोर्ड को तोड़कर गायब कर दिया गया। इसके बाद से बवाल मच गया।

दलित समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करते हुए रोड जाम कर दिया। घटना के अनुसार, शाहगढ़ गांव में अंबेडकर पार्क की भूमि पर लगे बोर्ड को किसी ने तोड़कर गायब कर दिया था। जैसे ही यह दलित समुदाय के लोगों ने देखा तो उनमें आक्रोश फैल गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जेसीबी मशीन के माध्यम से बोर्ड को तोड़कर चोरी किया गया है।

आक्रोशित दलितों ने जेसीबी मशीन में तोड़फोड़ की और मशीन मालिक के परिजनों के साथ मारपीट कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। इसके बाद उन्होंने सड़क पर जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर अकराबाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने का प्रयास कर रही है।

कार्य में लापरवाही पर आउटसोर्स सामान्य कार्मिक की सेवा समाप्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

बुधवार को नगर निगम के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कार्य में लापरवाही बरतने पर नगर आयुक्त ने एक्शन लेते हुए गैर हाजिर सामान्य कार्मिक की सेवा समाप्त कर दी है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया की नगर निगम आउटसोर्स पर तैनात सामान्य कर्मचारी महेश चंद्र शर्मा पुत्र विशम्भर दयाल शर्मा द्वारा अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर सख्त एक्शन लेते हुए तत्काल प्रभाव से सेवा समाप्त कर दी है।

पिछले माह व जुलाई में नगर आयुक्त ने एट्जेड प्लांट का निरीक्षण किया था। नगर आयुक्त ने एट्जेड प्लांट के तुलाई सेंटर में जब निरीक्षण किया तो भी उक्त कार्मिक महेश गैर हाजिर मिले थे। नगर आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त की थी।

नगर आयुक्त ने बताया एट्जेड प्लांट पर आने वाले सॉलिड बेस्ट मैनेजमेंट के लिए तैनात कार्मिक महेश चंद्र शर्मा को कई बार चेतावनी दी थी एवं उच्च अधिकारी एवं क्षेत्रीय सफाई एवं खाद्य निरीक्षक द्वारा किये गये निरीक्षण में वो अनुपस्थित मिले प्रायरू वो अपने कार्य मे अनुपस्थित रहते थे लापरवाह रहते थे जिसके कारण सॉलिड बेस्ट मैनेजमेंट का कार्य प्रभावित हो रहा था। इनके द्वारा मिथ्या एवं तर्कहीन आरोप प्रत्यारोप लगाकर कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन किया जाता हुआ मिला इनके द्वारा नगर निगम की छवि को धूमिल करने का कृत्य किया गया।

मां गंगा ने तीसरी बार श्री बड़े हनुमान जी को कराया अमृत स्नान, फिर गहराया बाढ़ का खतरा

प्रयागराज, एजेंसी। नाग पंचमी को मां गंगा ने तीसरी बार श्री बड़े हनुमान जी को अमृत स्नान कराया। ऐसा पहली बार हुआ है जब एक महीने के भीतर तीसरी बार तीन बार गंगा हनुमान जी को स्नान कराया है। महंत बलवीर गिरी ने बताया कि मां गंगा ने तीसरी बार हनुमान जी को अमृत स्नान कराया है। बृहस्पतिवार को मां गंगा श्री बड़े हनुमान मंदिर से प्रस्थान किया था। इसके बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए थे।

15 जुलाई दिन मंगलवार को दिन में करीब चार बजे पहली बार मां गंगा ने श्री बड़े हनुमान मंदिर में प्रवेश किया था। महंत बलवीर गिरि ने विशेष आरती कर मां गंगा का स्वागत किया। दो दिन बाद जलस्तर घटने के बाद मां गंगा 17 जुलाई बृहस्पतिवार को मंदिर से प्रस्थान कर गईं और साफ-सफाई के बाद मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया था।

कुछ ही घंटे के बाद बृहस्पतिवार की रात को 2.15 बजे जलस्तर बढ़ने के बाद गंगाजी ने पुनः मंदिर में पहुंचकर बजरंग बली को स्नान कराया। बृहस्पतिवार को दिन में मां ने प्रस्थान किया। इस तरह देखा जाए तो श्री बड़े हनुमानजी पहली बार दो दिन और दूसरी बार आठ दिन तक जल शयन में रहे। तीसरी बार नाग पंचमी को तीसरी बार माँ गंगा ने हनुमान जी को स्नान कराया है। महंत बलवीर गिरी ने विधि विधान से मां गंगा और बजरंगबली का पूजन अर्चन किया।

संगमनगरी में फिर गहराया बाढ़ का संकट

प्रयागराज में बाढ़ का खतरा फिर गहराने लगा है। मंगलवार रात आठ बजे तक गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ता रहा। नैनी में यमुना में 81.63 मीटर पर पहुंच गई, जो खतरे के निशान से 3.10 मीटर नीचे है। वहीं गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 81.54 मीटर, छतनाग में 81.01 मीटर और बक्सी बांध में 81.61 मीटर दर्ज किया गया। चार घंटे में जलस्तर में 8 से 16 सेंटीमीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि अभी जलस्तर खतरे के निशान 84.734 मीटर से नीचे है, लेकिन लगातार बढ़ता पानी चिंता का विषय बना हुआ है। सिंचाई विभाग के अनुसार बीते दिनों हुई बारिश की वजह से गंगा-यमुना के जलस्तर में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रहा है। अगले दो से तीन दिनों तक जलस्तर में वृद्धि देखने को मिलेगी। हालांकि खतरे के निशान को पार नहीं करेगी। वहीं प्रशासन की तरफ से स्थिति पर नजर रखी जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और सतर्क रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग एवं व्यापार बन्धु की बैठक संपन्न

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उद्यमिता विकास एवं व्यापारिक हितों की दिशा में सार्थक पहल करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में उद्योग एवं व्यापार बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग एवं व्यापार से जुड़े विभिन्न मामलों पर विश्तार से चर्चा करते हुए समस्याओं के समाधान के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में 132 केवीए विद्युत उपकेंद्र की स्थापना के संबंध में यूपीसीडा द्वारा बताया गया कि सीडीएफ छेरत में विद्युत विभाग द्वारा भूमि चिन्हित कर ली गई है। उद्यमियों ने एक स्वर में सीडीएफ छेरत के स्थान पर तालानगरी इंडस्ट्रियल एरिया के आसपास सबस्टेशन की स्थापना किए जाने की मांग की। प्रधानाचार्य आईटीआई द्वारा बताया गया कि अप्रेंटिशशिप अधिनियम के तहत विगत माह 58 प्रशिक्षुओं को नियोजित कराया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि इंडस्ट्रीज में मांग के अनुरूप प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग प्रदान कर नियोजन की कार्रवाई में तेजी लाई जाए।

औद्योगिक आस्थान अतरौली में भूखण्डों के ऊपर से जा रही विद्युत लाईनों को शिफ्ट कराए जाने के संबंध में प्राप्त शिफ्ट कराए जाने एवं राजकीय पायलट वर्कशाप में लगे विद्युत पोल को शिफ्ट करने के बिन्दु पर अधिशासी अभियंता विद्युत राधा कृष्ण द्वारा अब तक कोई कार्रवाई न किए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उद्योग विभाग द्वारा मई माह में पोल शिफ्ट किए जाने के संबंध में लिखे गए पत्र पर लगभग 80 दिन बाद भी कोई कार्रवाई न करना घोर लापरवाही का द्योतक है। उन्होंने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि यदि एक सप्ताह में दोनों प्रकरण निश्तारित नहीं होते हैं तो उन्हें कार्रवाई के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इसी प्रकार से तालानगरी औद्योगिक क्षेत्र रामघाट रोड पर तेज गति से चलने वाले वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने के लिए चौराहों पर स्पीड ब्रेकर स्थापना के संबंध में भी पीडब्लूडी विभाग द्वारा कोई निर्णय न लिए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। बैठक में ट्रैफिक लाईट की समयावधि को कम करने और लेफ्ट फ्री करने का मुद्दा उद्यमियों द्वारा बड़े जोर-शोर से उठाया गया। निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा में पाया गया कि 40 विभागों को 673 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें से 513 समय सीमा के अंदर निश्तारित किए गए एवं आरएम यूपीसीडा श्तर पर 11 प्रकरण समय सीमा उपरांत लंबित हैं, जिन्हें जिलाधिकारी ने जल्द से जल्द निश्तारण करने के निर्देश दिए। संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने बताया कि निवेश सारथी पोर्टल पर कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

व्यापार बन्धु की बैठक में मीनाक्षी पुल से तालानगरी तक साईनेज स्थापना, पत्थर बाजार में यूरिनल का निर्माण कराए जाने की व्यापारियों ने मांग करते हुए गांधी पार्क के किनारे नालियों को ढ़कने और शौचालयों का निर्माण आरम्भ होने पर व्यापारियों ने जिलाधिकारी की मुक्तकंठ से सराहना की।

बैठक में नेकराम शर्मा, चन्द्रशेखर शर्मा, गणेश चौधरी, दिनेश चन्द्र, लल्लू सिंह, सतीश माहेश्वरी, कमल गुप्ता, दिनेश कुमार अग्रवाल, श्रीकृष्ण गुप्ता, बीरेन्द्र कुमार, रामकुमार उपाध्याय, मनीष शर्मा, संजय वार्ष्णेय एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पहले लगा करंट, फिर ट्रक के पहिए के नीचे आ गया...क्लीनर की ऐसे हुई मौत; देखकर कांप गए लोग

आगरा , एजेंसी। एटा में ट्रक पीछे करते समय चपेट में आने से क्लीनर की मौत हो गई। चालक ने बताया कि पहले क्लीनर को करंट लगा। उसके बाद ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। हादसा थाना सकीट क्षेत्र के गांव गढ़िया कोंची का है। गढ़िया कोंची निवासी संदीप कुमार ने बताया कि कोलकाता से परचून का सामान लेकर सकीट आए थे। क्लीनर अनुराग (21) निवासी नंदपुर थाना फरिहा जिला फिरोजाबाद की यहां ननिहाल है और वह यहीं रहता है। मंगलवार को यहां से जाने के लिए ट्रक को पीछे कर रहे थे। उसी समय हाईटेंशन लाइन के तार से ट्रक छू गया। करंट लगने से अनुराग खिड़की खुली होने के कारण नीचे गिर गया और पहिए के नीचे आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह देखकर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस और मृतक के घर से परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पंचनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। गांव नंदपुर निवासी संतोष ने बताया कि 3 भाइयों में अनुराग दूसरे नंबर का था और क्लीनर का काम करके अपना खर्चा चलाता था। मौत की जानकारी मिलने के बाद से ही परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। सीओ सकीट कीर्तिका सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

चेक पर फर्जी दस्तखत कर निकाले छह लाख रुपये, रिपोर्ट हुई दर्ज

अलीगढ़ , एजेंसी। चोरी की गई चेक पर फर्जी हस्ताक्षर कर दो बार में छह लाख रुपये निकालने का मामला थाना जवां में दर्ज कराया गया है। पीड़ित सत्यपाल सिंह निवासी छेरत सुढियाल ने बताया कि घर के पास ही अजय सिंह प्रापर्टी डीलर का कार्य करता है। मार्च 2025 में वे उसके ऑफिस गए, जहां पर उनके बैग से केनरा बैंक की चेक बुक चुरा ली गई। इसके बाद उनके खाते में चेक लगा कर दो बार में छह लाख रुपये निकाल लिए गए। 21 अप्रैल को जब रुपयों की जरूरत पर बैंक गए तो उन्हें इसका पता चला। जब उन्होंने इसकी जानकारी शाखा प्रबंधक से की तो उन्होंने बताया कि पीड़ित के खाते से लिंक मोबाइल नंबर में रिचार्ज न होने के कारण इनकमिंग कॉल बंद थी। इसलिए बैंक का फोन रिसीव नहीं हो पाया। इसके बाद जब उन्होंने स्टेटमेंट निकलवाया तो पता चला कि तीन लाख रुपये मीना के खाते में गए हैं। जब मीना से जानकारी की गई तो उसने बताया कि उसको तीन लाख रुपये का चेक प्रापर्टी डीलर अजय सिंह ने दिया था। तीन लाख रुपये अजय के खाते में चेक द्वारा भेजे गए। जब अजय से पूछा तो उसने बताया कि उसने ही धनराशि निकाली है। उसने धमकी भी दी कि शिकायत की तो झूठे मुकदमे में फंसा देगा। इसकी शिकायत थाना जवां पर की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 25 जून को सीओ तृतीय के कार्यालय, इसके बाद जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत की। अब सत्यपाल ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बुजुर्गों को ओपन हार्ट सर्जरी से बचा रही TAVI

पशुओं के हृदय की झिल्ली से बना वॉल्व हो रहा इम्प्लांट

कानपुर , एजेंसी। हृदय के वॉल्व के बुजुर्ग रोगी जिन्हें ओपन हार्ट सर्जरी कराने पर जान का खतरा रहता है, उनके लिए राहत भरी खबर है। उन्हें हृदय के वॉल्व प्रत्यारोपण के लिए ओपन हार्ट सर्जरी का रिस्क नहीं लेना पड़ेगा। ट्रांस कैथेटर एओटिक वॉल्व इम्प्लांटेशन (तवी) विधि से उनका इलाज हो जाएगा। पैर की नस में कैथेटर डालकर उनके हृदय का वॉल्व लगा दिया जाएगा। एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट में इस विधि से इलाज दिया जा रहा है। 65 वर्ष से अधिक आयु के रोगियों के वॉल्व प्रत्यारोपण का इलाज इस विधि से किया जाता है। प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों का यह पहला इंस्टीट्यूट है जिसमें तवी विधि से इलाज शुरू किया गया है।

अब तक 15 हृदय रोगियों को इस विधि से आर्टिफिशियल वॉल्व प्रत्यारोपण किया गया है। कार्डियोलॉजी के प्रोफेसर और तवी विधि विशेषज्ञ डॉ. अवधेश कुमार शर्मा ने बताया कि कि इस विधि में जिस वॉल्व का इस्तेमाल किया जाता है, वह पशुओं के हृदय के ऊपर की झिल्ली से बनता है। इसे उपकरण के साथ रोगी के खराब वॉल्व के स्थान पर प्रत्यारोपित किया जाता है।

स्टील का वॉल्व ट्रांसप्लांट करने पर रहता है रिस्क: उन्होंने बताया कि पशुओं की झिल्ली से बने इस वॉल्व की उम्र 15 साल की होती है। 65-70 की उम्र के रोगी को प्रत्यारोपित करने पर उसे 80-85 साल की उम्र तक दिक्कत नहीं होती। ओपन हार्ट सर्जरी करके स्टील का वॉल्व ट्रांसप्लांट करने पर रिस्क रहता है। इस उम्र में डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, गुर्दा, लिवर आदि भी हो जाते हैं। इससे जटिलताएं बहुत अधिक बढ़ती हैं। यह विधि सुरक्षित है। इसमें सर्जरी नहीं करनी पड़ती। नस के अंदर से हृदय के वॉल्व तक पहुंचा जाता है। प्रोफेसर शर्मा ने बताया कि हृदय के वॉल्व में सिकुड़न आने पर रोगी चक्कर, सीने में दर्द, सांस में तकलीफ आदि लक्षण लेकर आते हैं।

विशेषज्ञ टीम लेती है निर्णय: तवी विधि से रोगी के इलाज के पहले विशेषज्ञ टीम इस संबंध में फैसला लेती है। इस टीम में एक कार्डियोलॉजिस्ट, एक कार्डियक सर्जन और एक कार्डियक एनेस्थेटिस्ट होता है। इन तीनों के एक राय होने पर ही रोगी को इलाज दिया जाता है। जिस संस्थान में ये तीनों विशेषज्ञ होते हैं।

पुलिसकर्मी बेटे की पत्नी का कत्ल...ससुर बना जल्लाद

आगरा , एजेंसी। आगरा में विवाहिता की कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर हत्या के मामले में पुलिस ने अदालत में मृतका के ससुर के खिलाफ आरोप पत्र प्रस्तुत किया। वादी के आपत्ति जताने पर एडीजे-14 ने मृतका के पुलिसकर्मी पति, सास, भाभी और ननद को मुकदमे के विचारण के लिए अदालत में तलब करने के आदेश दे दिए।

मथुरा निवासी धर्मवीर सिंह ने थाना किरावली में तहरीर दी थी। आरोप लगाया था कि उन्होंने अपनी पुत्री प्रियंका और संगीता की शादी 9 मार्च 2015 को मलिकपुर निवासी पन्ना लाल उर्फ गौरव और उसके भाई सौरभ के साथ की थी। 6 महीने बाद ही छोटी पुत्री संगीता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। उसके पति सौरभ ने दूसरी शादी कर ली। कुछ दिन बाद सौरभ की भी मौत हो गई।

प्रियंका ने सिलाई कड़ाई कर पति पन्ना लाल उर्फ गौरव को कोचिंग कराई। 2018 में पुलिस में नौकरी लग गई। पन्ना लाल ने शादीशुदा होने के बाद भी खुद को विभाग में अविवाहित दर्शाया। बाद में पुत्री को पता चला कि पन्नालाल के एक महिला से अवैध संबंध हैं।

इसका विरोध करने पर 27 जून 2023 को खाना बनाते समय ससुर रघुवीर सिंह, पति पन्नालाल उर्फ गौरव, सास राजन देवी, भाभी धर्मवती, ननद सोनिया और सुलेखा ने मिलकर प्रियंका पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोपियों ने सिर धड़ से अलग कर निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी।

इस मामले में पुलिस ने सभी के खिलाफ केस दर्ज किया था। विवेचक ने ससुर रघुवीर सिंह के खिलाफ ही अदालत में आरोप पत्र प्रेषित किया था। वादी ने 319 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। अदालत ने अन्य को भी तलब करने के आदेश दे दिए।

बरेली में पकड़ा गया तेंदुआ: हाफिजगंज में एक महीने से थी दहशत

मुर्गी का लालच देकर पिंजरे में किया कैद

बरेली , एजेंसी। बरेली के हाफिजगंज थाना क्षेत्र में दहशत का पर्याय बना तेंदुआ एक महीने बाद बुधवार को पिंजरे में कैद हो गया। सूचना पाकर वन विभाग के अधिकारी के साथ थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे। तेंदुए को देखने के लिए सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुट गए। उन्होंने बताया कि तेंदुए के कारण किसान खेतों पर नहीं जा रहे थे। खेताबाड़ी का काम प्रभावित हो रहा था। पिंजरे में कैद तेंदुए को देखकर लोगों ने राहत की सांस ली है।

गांव फैजुल्लापुर के पास स्थित बंद खेतान फैक्टरी में 26 जून को तेंदुए ने चौकीदार अजय कुमार की गाय पर हमला किया था। चौकीदार ने छत पर चढ़कर उसका वीडियो बना लिया और उसे भगाकर गाय को बचाया था। जिसके बाद उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर वन विभाग की टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। फैक्टरी परिसर में दो कैमरे भी लगाए, लेकिन तेंदुआ एक महीने तक चकमा देता रहा।

एक महीने से गांव फैजुल्लापुर गौंटिया, सेंथल, लाड़पुर, सनेकपुर, हरहरपुर समेत कई गांवों में दहशत थी। शाम ढलने के बाद लोग अपने घरों से नहीं निकलते थे। यह तेंदुआ कभी खेतों में तो कभी स्कूल के पास देखा जाता रहा। ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़ने की गुहार लगाई थी। इसके बाद वन विभाग ने वन्यजीव विशेषज्ञ जीएस खुशालिया को मेरठ से बुलाकर तेंदुए को पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

पिंजरे में रखी थी मुर्गी : खुशालिया ने आठ दिन पूर्व फैक्टरी में बरीकी से निरीक्षण किया। बताया था कि यह तेंदुआ पहले पिंजरा में फंस चुका है, इसलिए इसके पकड़ने की नई रणनीति बनाई जाएगी। नई रणनीति के तहत कुशालिया ने रेंज आधिकारी केके मिश्रा, वनकर्मी अकबर अली, मोहम्मद अशरफ के साथ मिलकर तेंदुए के निकलने वाले रास्ते पर पिंजरा लगाया। पिंजरे में एक मुर्गी बंद कर दी।

मंगलवार रात बारिश हो रही थी। माना जा रहा है कि तेंदुए को शिकार नहीं मिला होगा। पिंजरे में मुर्गी देखकर उसमें घुस गया और कैद हो गया। इसकी सूचना पर थाना प्रभारी हाफिजगंज पवन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग के अधिकारी भी वहां पहुंच गए। रेंजर नवाबगंज केके मिश्रा ने बताया कि तेंदुए को नजीबाबाद डिवीजन के जंगल में छोड़ा जाएगा।

स्पॉन्सर ने भारत-पाकिस्तान डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल से नाम वापस लिया

देश पहले, बिजनेस बाद में

नई दिल्ली एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच सेमीफाइनल मैच 31 जुलाई को खेला जाना है, लेकिन मुकाबले पर सवालिया निशान है। टूर्नामेंट के टॉप स्पॉन्सर ने घोषणा की है कि वह डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। डब्ल्यूसीएल के मेन स्पॉन्सर में से एक इजीमायट्रिप ने भारत-पाकिस्तान के बीच डब्ल्यूसीएल में खेले जाने वाले सेमीफाइनल मैच से नाम वापस ले लिया है।

कंपनी ने अपनी इस नीति को दोहराया है कि वह पाकिस्तान से जुड़े

किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेती। ट्रैवल-टेक कंपनी के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, हम टीम इंडिया चैंपियंस की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो। उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा।

कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों और एक प्रमुख टूर्नामेंट स्पॉन्सर के कड़े विरोध के बाद, भारत-पाकिस्तान की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिसने दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव बढ़ा दिया। इजीमायट्रिप की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का स्पॉन्सरशिप एग्रीमेंट किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है।

हम पाकिस्तान से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो। यह स्थिति डब्ल्यूसीएल टीम को शुरू से ही स्पष्ट रूप से बता दी गई थी।

भारत बनाम इंग्लैंडः

अगर पांचवां टेस्ट नहीं खेले जसप्रीत बुमराह, तो कुछ ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस मैच में नहीं खेलने की सलाह दी है। बुमराह ने इस सीरीज में अब तक तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पांच मुकाबलों की सीरीज में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बावजूद, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने मूल योजना के अनुसार ही आगे बढ़ने का फैसला किया है। सीरीज से पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि बुमराह पांच में से सिर्फ तीन ही टेस्ट खेलेंगे। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला, लेकिन एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट नहीं खेले।

इसके बाद लॉर्ड्स और ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में बुमराह मैदान पर उतरे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को बताया कि उन्हें इस सुझाव पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह उनकी पीठ की सुरक्षा और दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए है। बुमराह इस सीरीज में धीमी और सपाट पिचों पर गेंदबाजी के लिए मजबूर हुए, जिससे उनका वर्कलोड बढ़ गया। चौथे टेस्ट में उन्होंने 33 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 112 रन देकर दो विकेट लिए। बीसीसीआई की मेडिकल टीम का मानना है कि उन्हें आराम देने से लंबे समय में फायदा होगा। अगर जसप्रीत बुमराह निर्णायक टेस्ट में नहीं उतरते, तो मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी को लीड करते नजर आ सकते हैं। जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अर्शदीप सिंह को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अर्शदीप हाथ की चोट से उबर गए हैं। अगर आकाश दीप फिट रहे, तो इस जोड़ी का साथ दे सकते हैं।

ऋषभ पंत चोटिल होने के बाद सीरीज के अंतिम मैच से बाहर हो चुके हैं। उनके स्थान पर भले ही एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया, लेकिन अंतिम एकादश में दाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल नजर आ सकते हैं। दूसरी ओर, अंशुल कंबोज और शार्दुल ठाकुर को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा जा सकता है। कुलदीप यादव भी प्रैक्टिस सेशन में जमकर पसीना बहाते नजर आए हैं। तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर के स्थान पर इस स्पिनर को मौका दिया जा सकता है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन को देखा जाए, तो यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आएंगे, जबकि साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। विकेटकीपिंग का जिम्मा ध्रुव जुरेल के पास हो सकता है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर गेंद और बल्ले से अपनी चमक बिखरने में सक्षम हैं। तेज गेंदबाजी का भार आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के कंधों पर डाला जा सकता है, जबकि कुलदीप यादव को स्पिन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

सीएएफए नेशंस कप खेलेगी भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड की तैयारी के तहत भारत की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन (सीएएफए) नेशंस कप 2025 में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट 31 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत को इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। दरअसल, यह टूर्नामेंट फीफा के आधिकारिक कैलेंडर से बाहर है और मलेशिया ने लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों और खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के चलते इसमें हिस्सा लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भारत को आमंत्रित किया गया।

भारत को उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान की तरफ से संयुक्त रूप से आयोजित द्विवार्षिक सेंट्रल एशियन टूर्नामेंट में शामिल किया गया। उसे ग्रुप-बी में रखा गया है, जो दुशांबे में खेला जाएगा। भारत 29 अगस्त को मेजबान ताजिकिस्तान, 1 सितंबर को ईरान और 4 सितंबर को अफगानिस्तान से खेलेगा।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें प्ले-ऑफ चरण में पहुंचेंगी, जहां 8 सितंबर को दो मैच खेले जाएंगे। तीसरे स्थान का मैच दो ग्रुप उपविजेताओं के बीच दुशांबे में खेला जाएगा, जबकि दो ग्रुप विजेता टीमें ताशकंद में फाइनल खेलेंगी। उज्बेकिस्तान ग्रुप-ए की मेजबानी करेगा, जिसे ताशकंद में किर्गिज गणराज्य, तुर्कमेनिस्तान और ओमान के साथ रखा गया है। सीएएफए के छह सदस्य हैंः अफगानिस्तान, इस्लामी गणराज्य ईरान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान। ओमान और भारत सीएएफए नेशंस कप के दूसरे संस्करण के लिए आमंत्रित दो टीमें हैं। ईरान गत विजेता है, जिसने 2023 के फाइनल में उज्बेकिस्तान को 1-0 से शिकस्त दी थी। भारत को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर्स के फाइनल राउंड के अपने शुरुआती मैच में हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के शेष चार मैच सिंगापुर के खिलाफ (क्रमशः 9 और 14 अक्टूबर), बांग्लादेश के खिलाफ (18 नवंबर) और चीन के खिलाफ (31 मार्च 2026) घरेलू मैदान पर होंगे।

एशिया कप फुटबॉलः

भारत महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में, जापान-वियतनाम और चीनी ताइपे अन्य टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है। भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे।

जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह अभी विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है जो एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ है। वियतनाम की विश्व रैंकिंग 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 है। भारत वर्तमान में विश्व में 70वें स्थान पर है और इस तरह से वह ग्रुप में सबसे कम रैंकिंग वाली टीम है। भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है।

अभिषेक शर्मा साथी ओपनर को पीछे छोड़ बने नंबर-1 बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार (30 जुलाई) को मेंस क्रिकेट की अपडेटेड रैंकिंग जारी की। टी20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा। दोनों इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ओपनिंग करते हैं। अभिषेक शर्मा टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बनने वाले भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव नंबर-1 बल्लेबाज बने थे।

मकाऊ ओपन बेडमिंटनः

आयुष शेट्टी मकाऊ ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ध्रुव-तनिषा भी अगले दौर में पहुंचे

मकाऊ, एजेंसी। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। भारत के युवा खिलाड़ी सातवें वरीय आयुष शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी शेट्टी ने 66वीं रैंकिंग वाले हुआंग को केवल 31 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

मिश्रित युगल में विश्व में 18वें स्थान पर काबिज और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की जोड़ी भी आगे बढ़ने में सफल रही। इस

भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के रत्चपोल मक्कासितोर्न और नट्टामोन लाइसुआन को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-10, 21-15 से हराया।

पुरुष एकल में सतीश कुमार करुणाकरण का सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के जस्टिन होह से 37 मिनट में 19-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

डब्ल्यूसीएलः

बिन्नी-पठान की तूफानी पारी, इंडिया चैंपियंस ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को हरा सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया चैंपियंस ने मंगलवार (29 जुलाई) को वेस्टइंडीज चैंपियंस को वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के आखिरी लीग मैच में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इंडिया चैंपियंस को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 14.1 ओवर में 145 का लक्ष्य हासिल करना था। इंडिया चैंपियंस ने 13.2 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया। स्टुअर्ट बिन्नी ने बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। इसके अलावा यूसुफ पठान ने बेहतरीन पारी खेली। स्टुअर्ट बिन्नी ने 21 गेंद पर नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 4 छक्के लाए। यूसुफ पठान ने 7 गेंद पर 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 21 रन बनाए। पठान ने विनिंग सिक्स लगाया और अपने बच्चों की तरफ दौड़ पड़े। उन्हें गले लगा लिया। सेमीफाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस, साउथ अफ्रीका चैंपियंस और ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ने जगह बनाई।

इंडिया चैंपियंस की शुरुआत तेज नहीं हुई

वेस्टइंडीज चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कीरोन पोलार्ड की तूफानी पारी की मदद से 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन बनाए। जवाब में इंडिया चैंपियंस की शुरुआत बहुत तेज नहीं हुई। रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन ने पहले विकेट के लिए 3.2 ओवर में 27 रन जोड़े। उथप्पा 7 गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन 18 गेंद पर 25 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया चैंपियंस का स्कोर 4.4 ओवर में 2 विकेट पर 36 रन हो गया।

बिन्नी और युवराज के बीच 66 रन की साझेदारी

इंडिया चैंपियंस को तीसरा झटका 6.3 ओवर में 50 रन पर लगा। गुरकीरत सिंह मान 7 रन बनाकर आउट हुए। सुरेश रैना 7 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया चैंपियंस का स्कोर 7.1 ओवर में 4 विकेट पर 52 रन हो गया। इसके बाद स्टुअर्ट बिन्नी और युवराज सिंह के बीच 66 रन की साझेदारी हुई। युवराज 11 गेंद पर 21 रन बनाकर आउट हुए। तब इंडिया चैंपियंस का स्कोर 11.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन हो गया। इसके बाद यूसुफ पठान क्रीज पर आए और बेहतरीन बल्लेबाजी की। वेस्टइंडीज चैंपियंस के लिए ड्वेन स्मिथ और ड्वेन ब्रावो ने 2-2 विकेट लिए। शेल्डन कोट्रल ने 1 विकेट लिए।

कैनेडियन ओपनः

गॉफ ने कोलिन्स को हराया, इतो ने पाओलिनी को शिकस्त दी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। टॉप सीड कोको गॉफ ने कैनेडियन ओपन में डेनिएल कोलिन्स के खिलाफ लगभग तीन घंटे चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। इसी के साथ उन्होंने जून में रोलां गैरो जीतने के बाद पहला मैच अपने नाम किया। गॉफ तीसरे सेट में हार से सिर्फ दो अंक दूर थीं, लेकिन उन्होंने पासा पलटते हुए आखिरकार 7-5, 4-6, 7-6(2) से जीत दर्ज की।

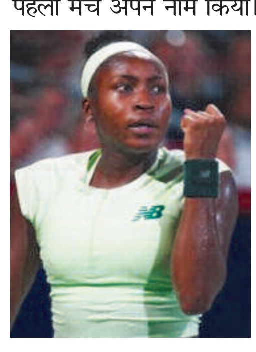

कोलिन्स ने आखिरी 80 मिनटों में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह कभी भी मैच प्वाइंट तक नहीं पहुंच सकीं और अंतिम 11 में से 9 अंक गंवा बैठीं। यह मुकाबला आईजीए स्टेडियम में खेला गया। मुकाबला जीतने के बाद कोको गॉफ ने कहा, मैं अच्छी प्रैक्टिस कर रही थी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस मैच में उस तैयारी के अनुरूप खेल सकी। उम्मीद है कि मैंने टूर्नामेंट का अपना खराब मैच जीत लिया है। डेनिएल शानदार बॉल स्ट्राइकर हैं। मैंने जितनी बार उनकी सर्विस ब्रेक की, उससे मुझे कुछ सकारात्मक बातें सीखने को मिलेंगी। अब गॉफ का अगला मुकाबला पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी वेरोनिका क़ुडरमेतोवा से होगा।

द. अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई और वनडे श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि आक्रामक बल्लेबाज मिच ओवेन वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ प्रभावशाली प्रदर्शनों के बाद दोनों टीमों में शामिल होने के बाद अपने वनडे पदार्पण की दौड़ में हैं।

नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस साल के अंत में व्यस्त घरेलू कार्यक्रम के कारण टीम से बाहर रहेंगे, मिशेल मार्श कार्यवाहक वनडे कप्तान बने रहेंगे जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भी इस श्रृंखला से आराम दिया गया है। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद शॉन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनकी टीम से छुट्टी हो गई है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिया है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए तैयारी जारी रखेगी।

बेली ने आईसीसी के हवाले से कहा, जैसे-जैसे हम टी20 विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं, वेस्टइंडीज में दिखाई गई लचीलापन और गहराई, स्पष्ट परिणामों के अलावा, एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात रही है।

बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन और गेंदबाजों की पारी के विभिन्न चरणों में गेंदबाजी करने की क्षमता विशेष रूप से देखने लायक थी। मिच ओवेन और मैट कुहनेमैन ने अपने-अपने पदार्पण किए और नाथन एलिस द्वारा की गई तैयारी और मेहनत उन्हें सभी 5 मैच खेलने का मौका देने के लिए मुख्य आकर्षण थे।